● सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 37, अंक 112, पृष्ठ : 08, सीधी, गुरूवार, 29 मई 2025 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

जेपी नड्डा टटोलेंगे संगठन की नब्ज ! 5

वैभव सूर्यवंशी ने दुनिया के 58 बल्लेबाजों के बीच मारी बाजी 6

मप्र सरकार महिला सशक्तिकरण के लिये प्रतिबद्ध : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने सारणी में 464 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमि-पूजन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश के साथ पूरा देश लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती मना रहा है और हमारी सरकार महिला स्वावलंबन तथा सशक्तिकरण की दिशा में लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को बैतूल जिले के सारणी में स्व-सहायता समूह सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यहां 464 करोड़ रूपये से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन किया तथा बैतूल के विकास पर केंद्रित पुस्तिका फ्रविकास के पथ पर अग्रसर का विमोचन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्व-सहायता समूह से स्टार्ट-अप अभियान के तहत 4 स्व-सहायता समूह की महिलाओं को स्टार्ट-अप कंपनियों में 8 करोड़ 10 लाख रूपये के इंट्रेस्ट टू इन्वेस्ट पत्र वितरित किये।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मठार देव बाबा और मां ताप्ती के जयघोष करते हुए कहा कि बैतूल जिले के सारणी की महिमा न्यारी हैं, सही मायनों में धरती की शोभा सारणी में विद्यमान है। सारणी ने पूरे प्रदेश को ऊर्जा से सराबोर करते हुए विकास के कारवां को आगे बढ़ाया जिससे मध्यप्रदेश जगमगाया। सारणी के कोल भंडार सोने की तरह है। बैतूल जिले को ईश्वर का भरपूर आशीर्वाद प्राप्त हुआ। कोयले के भंडार, मां ताप्ती का उद्गम ,उन्नत कृषि इत्यादि प्राकृतिक संपदाओं के साथ यह जनजातीय अंचल विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा हैं। प्रदेश के पहले फूड पार्क की स्थापना बैतूल जिले में ही की गई हैं, जो स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सेवाभावना का उदाहरण हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज मैं अपनी बहनों से मिलने बैतूल आया हूं। उन्होंने कहा कि बहनों के जीवन में दुख की छाया कभी ना आए और उनकी हर मनोकामनाएं पूर्ण हो, इसके लिए मध्यप्रदेश सरकार संकल्पबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की गौरव गोंडवाना की महारानी दुर्गावती ने अपने शौर्य और पराक्रम से एक नहीं बल्कि 52 युद्ध में मुगल आक्रांताओं को परास्त किया। अपने अंतिम युद्ध में भी रानी दुर्गावती ने गुलामी स्वीकार न करते हुए स्वयं अपने खंजर से बलिदान देकर प्रदेश को गौरवान्वित किया। ऐसा मध्यप्रदेश की बहनों का स्वर्णिम इतिहास रहा है। इसी प्रकार वीरांगना झांसी की रानी ने भी अंग्रेजों को करारी परास्त देकर देश की स्वतंत्रता की नींव रखीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई का पूरा जीवन जनहित को समर्पित रहा। उन्होंने शासन का भी अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया। महेश्वर से शासन चलाते हुए दक्षिण भारत रामेश्वरम, हैदराबाद, बैंगलोर से कारीगर बुलाकर साड़ी बनाने की कलां बुनकरों के माध्यम से बहनों को सिखाई। साड़ियां बनाने के कारखाने स्थापित किए जिससे महेश्वरी साड़ियां आज पूरे विश्व में प्रसिद्ध हैं। बहनों को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़कर नारी सशक्तिकरण के अद्भुत काम रानी अहिल्याबाई द्वारा किए गए। बनारस, सोमनाथ, बद्रीनाथ और राज्य की सीमा के बाहर भी देवस्थान, घाट अन्न क्षेत्र और धर्मशालाएं बनवाने का काम किया, जिससे देव दर्शन के साथ देश की एकता और अखंडता भी बनी रहे।

सरकार देश के विकास और समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध : शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अब तक का शासनकाल इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के तौर पर मोदी ने 11 साल पूरे कर लिए हैं। गुजरात का बेटा देश के विकास, आर्थिक वृद्धि और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। राष्ट्रीय सुरक्षा का उल्लंघन करने वालों को सबक सिखाया गया है।

गृह मंत्री शाह ने यहां माधवबाग लक्ष्मीनारायण मंदिर की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर गुजराती में दिए गए संबोधन में कहा कि जो लोग एक चुटकी सिंदूर की कीमत नहीं जानते थे, उन्हें ऑपरेशन सिंदूर के जरिये यह अच्छी तरह समझा दिया गया है। गृह मंत्री ने कहा कि पीएम मोदी ने लोगों को भारतीय होने पर गर्व महसूस कराया है और विदेशों में भारतीय पासपोर्ट का महत्व बढ़ाया है। शाह ने कहा कि यह दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का ही नतीजा है कि मोदी के कार्यकाल में अयोध्या में राम मंदिर और काशी विश्वनाथ गलियारे का निर्माण हुआ। उन्होंने मुंबई के मध्य स्थित माधवबाग लक्ष्मीनारायण मंदिर के संचालन में न्यासियों के प्रयासों की सराहना की। शाह ने कहा कि संस्था में समाज सेवा की भावना है, जिसने इसे सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों का केंद्र बना दिया है।

शाह ने स्वतंत्रता सेनानी वीडी सावरकर के लिखे देशभक्ति गीत अनादि मी, अनंत मी को मंगलवार को पहला छत्रपति संभाजी महाराज राज्य प्रेरणा गीत पुरस्कार प्रदान किया। महाराष्ट्र सरकार की ओर से प्रदान किया गया यह पुरस्कार स्वातंत्र्यवीर सावरकर फाउंडेशन की ओर से दिवंगत हिंदुत्व विचारक के पोते रंजीत सावरकर ने ग्रहण किया। पुरस्कार में दो लाख रुपये का नकद पुरस्कार और एक स्मृति चिह्न शामिल है। समारोह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के आधिकारिक आवास पर आयोजित किया गया। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी मौजूद रहे।

सेना-नौसेना और वायु सेना में एकीकृत सैन्य कमान के लिए नियम तय

पाकिस्तान से तनाव के बीच फैसला

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच केंद्र सरकार ने सेना, नौसेना और वायु सेना में एकीकृत सैन्य कमान के लिए नियम अधिसूचित किए। सरकार ने यह कदम ऐसे वक्त उठाया है, जब %ऑपरेशन सिंदूर% के तहत भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया था। इसके बाद पकिस्तान ने भारत में नागरिक और सैन्य ठिकानों पर हमले की साजिश रची, जिसे भारतीय सशस्त्र बलों ने नाकाम कर दिया। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, सरकार ने अंतर-सेवा संगठन (कमांड, नियंत्रण और अनुशासन) अधिनियम 2023 के तहत नियमों को अधिसूचित किया है, जो सशस्त्र बलों में अधिक संयुक्तता और कमांड दक्षता को मजबूत करेगा। अंतर-सेवा संगठन (कमांड, नियंत्रण और अनुशासन) अधिनियम 2023 के तहत तैयार नियमों को राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से अधिसूचित किया गया है। यह 27 मई से लागू हो गए हैं।

इस अहम कदम का मकसद अंतर-सेवा संगठनों (आईएसओ) के प्रभावी कमांड, नियंत्रण और कुशल कामकाज को बढ़ावा देना है। इससे सशस्त्र बलों के बीच संयुक्तता और तालमेल मजबूत होगा। हाल ही में लागू किया गया अधिनियम अंतर-सेवा संगठनों (आईएसओ) के कमांडर-इन-चीफ और वरिष्ठ अधिकारियों को अपने अधीन कर्मियों का नेतृत्व और प्रबंधन करने का अधिकार देता है।

आतंक को साफ संदेश: कायराना हरकतों से हम नहीं डरने वाले: अब्दुल्ला

जम्मू। जिस पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकियों ने गोलियां बरसाकर 26 बेगुनाहों की जान ली, उसी पहलगाम में उमर अब्दुल्ला सरकार ने मंगलवार को विशेष कैबिनेट बैठक की। यह महज एक बैठक भर नहीं थी, बल्कि इसके जरिये पाकिस्तान और आतंकवादियों को स्पष्ट संदेश देने की कोशिश की गई कि उनके कायराना हरकतों से हम नहीं डरने वाले। उमर सरकार के कार्यकाल में यह पहली बार है जब कैबिनेट की बैठक सामान्य ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर या शीतकालीन राजधानी जम्मू से बाहर हुई है।

मोदी सरकार के बड़े फैसले

धान, कपास समेत 14 फसलों का समर्थन मूल्य बढ़ाया

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट की बुधवार को हुई बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए हैं। सरकार ने किसानों को सौगात देते हुए, एमएसपी में 50 फीसदी की बढ़ोत्तरी की है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, किसानों के लिए एक बड़ा फैसला लिया गया है। पिछले 10-11 वर्षों में खरीफ फसलों के लिए एमएसपी में भारी बढ़ोतरी की गई है। खरीफ विपणन सीजन 2025-26 के लिए एमएसपी को कैबिनेट द्वारा मंजूरी दी गई है। कुल राशि लगभग 2,07,000 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। सरकार ने बुधवार को 2025-26 खरीफ विपणन सत्र के

लिए धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 3 प्रतिशत बढ़ाकर 2,369 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने इस संबंध में निर्णय लिया। आगामी फसल वर्ष 2025-26 (जुलाई-जून) के खरीफ सत्र के लिए सामान्य और ए ग्रेड धान की किस्मों का समर्थन मूल्य 69 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाकर क्रमशः 2,369 रुपये और 2,389 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। दालों में अरहर का समर्थन मूल्य 450 रुपये बढ़ाकर 8,000 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है, जबकि उड़द का एमएसपी 400 रुपये बढ़ाकर 7,800 रुपये प्रति क्विंटल और मूंग का एमएसपी 86 रुपये बढ़ाकर 8768 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को बताया कि सरकार ने 2025-26 के लिए खरीफ फसलों के एमएसपी में वृद्धि की है, ताकि उत्पादकों को उनकी उपज के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित किया जा सके।

वीर सैनिकों के सम्मान में आन-बान-शान से निकली तिरंगा यात्रा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार को बैतूल जिले के सारणी में देश के वीर सैनिकों के सम्मान में भव्य तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। वीर सैनिकों के सम्मान में आन बान और शान से तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा में अपार जन समूह शामिल हुआ। ढोल बाजे और मृदंग की मधुर थाप पर आदिवासी लोक नर्तको का दल आगे-आगे आकर्षक लोक-नृत्य प्रस्तुत करता हुआ चल रहा था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वंदे मातरम और भारत माता की जय का उद्घोष किया।

अवैध घुसपैठिए संरक्षित इलाकों में कर रहे अतिक्रमण

नशे की खेती से फंडिंग, पूर्व सीएम का खुलासा

इंफाल। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा है कि अवैध अप्रवासियों की बड़े पैमाने पर घुसपैठ स्थानीय लोगों की पहचान और अस्तित्व के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि अनिगमित अवैध घुसपैठ से राज्य में नए गांव और कालोनियों की संख्या में अभूतपूर्व बढ़ोतरी हुई है। यह स्थानीय लोगों के अस्तित्व के लिए खतरा है। पूर्व सीएम ने इस पर चिंता जताते हुए राज्यपाल अजय कुमार भल्ला को चिट्ठी लिखी है। पूर्व सीएम ने कहा कि भाजपा नीत सरकार के दौरान साल 2017 से ही मणिपुर में सैंकड़ों अवैध अप्रवासियों की पहचान कर उन्हें निर्वासित किया गया। उन्होंने मांग की कि कैबिनेट उप-समिति का गठन किया जाए, आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर, सैटेलाइट मैपिंग करके और जमीनी स्तर पर खुफिया तंत्र को मजबूत किया जाए ताकि अवैध घुसपैठ को रोका जा सके।

24 घंटे बाद फिर हो सकती है दिल्ली-एनसीआर में तूफान की एंट्री

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली और एनसीआर में पिछले दिनों आए आंधी-तूफान से लोगों को गर्मी से राहत मिल रही है। इस बीच दिल्ली और एनसीआर में एक बार फिर बारिश के साथ आंधी-तूफान की आशंका जाहिर की जा रही है। मौसम पूर्वानुमान एजेंसियों का अनुमान है कि आज यानी 28 मई से दिल्ली का मौसम बदलने के आसार हैं। फिर से आंधी-तूफान और बारिश तेज हो सकती है। इसके बाद 29 और 30 मई को हालात और बिगड़ने की संभावना है। इसके बाद दिल्ली-एनसीआर में प्री-मानसून गतिविधियों में 4-5 दिनों का ब्रेक आने की आशंका है।

भारतीय मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, 29 मई से मौसम में फिर बदलाव आएगा। 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं भी चलेगी। बारिश की संभावना जताई गई है। लोगों को सतर्क करते हुए यलो अलर्ट भी जारी किया है। 29 मई को अधिकतम तापमान तापमान 39 डिग्री दर्ज किया जा सकता है जबकि न्यूनतम तापमान 27 डिग्री रह सकता है। 30 मई को आंधी तूफान के साथ बारिश की आशंका है। इस दिन अधिकतम तापमान में 3 डिग्री की गिरावट भी आ सकती है। मौसम विभाग ने 30 मई के लिए दिल्ली के साथ-साथ गाजियाबाद और गौतम बुद्ध नगर के लिए भी यलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान अधिकतम तापमान 36 डिग्री और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री रह सकता है। इसके बाद 31 मई को भी तूफान के साथ बारिश की संभावना है लेकिन इसके लिए कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है।

संबित पात्रा समेत तीन एमपी प्रेस परिषद में आएंगे

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भाजपा नेता संबित पात्रा सहित सदन के तीन सदस्यों को भारतीय प्रेस परिषद (पीसीआई) के लिए नामित किया। पात्रा के अलावा, शिवसेना सदस्य नरेश म्हस्के और कांग्रेस सदस्य काली चरण मुंडा को भी प्रिंट मीडिया के इस अर्ध-न्यायिक निकाय के सदस्य के रूप में नामित किया गया है। इससे पहले राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने भाजपा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी और बृज लाल को प्रेस काउंसिल के सदस्यों के रूप में नामित किया था। वहीं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से अश्विनी के मोहपात्रा को नामित किया, जबकि बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने अपने अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा को इस प्रिंट मीडिया वॉचडॉग में भेजा है। साहित्य अकादमी ने अपने सचिव के श्रीनिवासराव को परिषद के सदस्य के रूप में नामित किया है।

ऑपरेशन सिंदूर से पाक वायुसेना को हुआ भारी नुकसान

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने पाकिस्तान को भारी नुकसान पहुंचाया, लेकिन सबसे ज्यादा नुकसान पाकिस्तानी वायुसेना को हुआ है। सूत्रों के अनुसार, भारत के हमले ने पाकिस्तानी वायुसेना को पंगु, अंधा और पूरी तरह से अक्षम बना दिया था और उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि कैसे बचाव करना है। दावा किया जा रहा है कि भारत के हमले से हुए नुकसान से पूरी तरह से उबरने में पाकिस्तानी वायुसेना को कम से कम पांच साल का वक्त लगेगा। भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष चार दिन चला। इस दौरान भारतीय वायुसेना ने रणनीतिक तरीके से और पूरी सटीकता से हमले किए, जिससे पाकिस्तानी वायुसेना को हवा और जमीन दोनों जगह भारी नुकसान उठाना पड़ा।

दतिया और सतना एयरपोर्ट पर 19 सीटर एयरक्राफ्ट उतर सकेंगे

पीएम मोदी 31 मई को करेंगे वर्चुअल लोकार्पण

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 मई को प्रदेश के दो प्रमुख तीर्थ और औद्योगिक नगरों दतिया और सतना को हवाई सेवा की सौगात देंगे। प्रधानमंत्री भोपाल से वर्चुअल माध्यम से दोनों नव-निर्मित एयरपोर्ट्स का लोकार्पण करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी उपस्थित रहेंगे। यह कदम तीर्थ यात्रियों और क्षेत्रीय विकास दोनों के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। दतिया और सतना धार्मिक, सांस्कृतिक और औद्योगिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान हैं। अब यहां से श्रद्धालु मां पीतांबरा पीठ (दतिया), मैहर की मां शारदा और श्रीराम की वनस्थली चित्रकूट तक हवाई मार्ग से सरलता से पहुंच सकेंगे। इससे पर्यटन, व्यापार और रोजगार को नया आयाम मिलेगा।

60 करोड़ रुपये की लागत से 124 एकड़ क्षेत्र में विकसित दतिया एयरपोर्ट का रनवे 1.81 किलोमीटर लंबा और 30 मीटर चौड़ा है। प्रारंभिक चरण में 19 सीटर एयरक्रॉफ्ट यहां उतर सकेंगे। पार्किंग में 50 कारों की व्यवस्था और दो चेक-इन काउंटर यात्रियों की सुविधा के लिए तैयार हैं। यह एयरपोर्ट एटीआर-72 विमानों की क्षमता से युक्त है और यहां से फ्लाई बिग एयरलाइंस की उड़ानें सप्ताह में चार दिन संचालित की जाएंगी। इससे देशभर के श्रद्धालुओं को मां पीतांबरा के दर्शन के लिए यात्रा में सुगमता मिलेगी।

मंत्री विजय शाह की गिरफ्तारी पर सुप्रीम रोक बढ़ी

अब हाईकोर्ट की जगह शीर्ष अदालत में ही सुना जाएगा मामला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह को दी गई राहत बढ़ा दी है। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने हाईकोर्ट ने कार्यवाही बंद करने को कहा है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट खुद मामले पर सुनवाई कर रहा है। दरअसल, विजय शाह ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर चलाए गए %ऑपरेशन सिंदूर% के बारे में मीडिया को जानकारी देने वाली कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ विवादित टिप्पणी की थी। मामले में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। इसे लेकर विजय शाह सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे, जहां कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी।

आज हुई सुनवाई के दौरान कोर्ट ने भाजपा नेता कुंवर विजय शाह की गिरफ्तारी पर रोक के अपने अंतरिम आदेश को आगे बढ़ा दिया। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के सामने लंबित कार्यवाही को भी बंद कर दिया, क्योंकि शीर्ष अदालत इस मामले पर विचार कर रही है। सुप्रीम कोर्ट ने डीआईजी पुलिस द्वारा प्रस्तुत स्थिति रिपोर्ट पर गौर किया, जिसमें कहा गया है कि तीन आईपीएस अधिकारियों की एसआईटी गठित की गई थी। 21 मई को जांच शुरू हुई थी। एसआईटी रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिक दस्तावेज एकत्र किए गए हैं। गवाहों के बयान दर्ज किए गए हैं। जांच अभी प्रारंभिक चरण में है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ टिप्पणी के लिए मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह के खिलाफ उच्च न्यायालय में चल रही कार्यवाही को बंद करने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि वह अब खुद इस मामले की जांच कर रहा है। इसलिए हाईकोर्ट इस पर सुनवाई न करे। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने शीर्ष अदालत के पिछले आदेश के अनुपालन में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) से स्थिति रिपोर्ट मांगी। कोर्ट ने कहा कि एसआईटी ने कुछ उपकरण जब्त कर लिए हैं और अपनी जांच शुरू कर दी है।

कोर्ट ने कहा कि विजय शाह की गिरफ्तारी पर रोक सहित 19 मई को पारित अंतरिम निर्देश की अवधि बढ़ाई जाती है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई जुलाई के दूसरे सप्ताह में तय की है। पीठ ने मामले में किसी भी तरह के हस्तक्षेप की अनुमति देने से इनकार करते हुए कहा कि वह इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं करना चाहती।

रीवा कमिश्नर ने राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक

संवाद से समाधान अभियान चला कर आपसी समझौते के माध्यम कराएं लंबित प्रकरणों का निराकरण

सिंगरौली। रीवा कमिश्नर बीएस जामोद की अध्यक्षता में राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई।

बैठक के दौरान कमिश्नर बीएस जामोद ने राजस्व प्रकरणों की जानकारी लेने के पश्चात कहा कि जिले की राजस्व विभाग के प्रकरणों के निराकरण की प्रगति प्रशंसनीय है। उन्होंने निर्देशित किया कि सीमांकन, नामांकन, बटनवारा, डायवर्सन, नक्शा तरमीम से संबंधित सभी लंबित प्रकरणों का समय सीमा के भीतर पूर्ण करें। लंबित प्रकरणों को क्लस्टरवार विभाजित कर संवाद से समाधान अभियान प्रति एक क्लस्टर में आयोजित करे। साथ ही कहा कि जिस क्लास्टर में संवाद से समाधान अभियान चलाया जाना है, उसकी सूचना पटवारी, सरपंच एवं पंचायत सचिव के माध्यम से आम लोगो को अवगत कराये। शिविर स्थल पर तहसीलदार उपस्थित रहकर यह सुनिश्चित करे कि संबंधित क्लस्टर के आरआई पटवारी अपने रिकार्ड के साथ मौजूद रहे। कमिश्नर ने निर्देशित किया कि विवादित राजस्व प्रकरणो की पटवारी द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट का स्थल पर जाकर परीक्षण करे। कमिश्नर ने कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला को निर्देशित किया कि चालाए जा रहे अभियान के मॉनिटरिंग के लिए दल गठित कर प्रति दिवस की जानकारी प्राप्त करे।

कमिश्नर ने समग्र ई-केवाईसी सत्यापन के प्रगति की समीक्षा करते हुये नाराजगी जाहिर की। उन्होने पंचायत एवं नगरीय क्षेत्र के वार्डवार ई-केवाईसी के सत्यापन की जानकारी प्रति दिवस लेने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन के लिए निर्धारित किए गए लक्ष्यो की पूर्ति करे एवं डुप्लीकेट ई-केवाईसी चिन्हित कर समग्र पोर्टल से डिलिट करायें। उन्होने समस्त सीईओ जनपद को निर्देशित किया कि अपने क्षेत्रांतर्गत समस्त पीसीओ की पंचायतवार ड्यूटी लगाकर समग्र ई-केवाईसी की मॉनिटरिंग करायें। उन्होंने ननि आयुक्त को भी निर्देशित किया कि आगामी मानसून को दष्टिगत रखते हुये नगरीय क्षेत्र के समस्त नाले-नालियों की सफाई कराये, ताकि वर्षा के समय कही पर जल भराव की समस्या उत्पन्न न होने पाये। कमिश्नर ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुये जिले में मातृ एवं शिशु मृत्य दर की जानकारी लेने के पश्चात नाराजगी व्यक्त करते हुये निर्देश दिए कि सभी उप स्वास्थ्य केन्द्रो की नियमित मॉनिटरिंग किया जाये। बैठक के दौरान जिपं सीईओ, अपर कलेक्टर पीके सेन गुप्ता, संयुक्त कलेक्टर संजीव पाण्डेय, एसडीएम सृजन वर्मा, राजेश शुक्ला, एसडीएम चितरंगी सुरेश जाधव, ननि आयुक्त, डीके शर्मा, डिप्टी कलेक्टर देवेन्द द्विवेदी, नंदन तिवारी, सौरभ मिश्रा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एनके जैन सहित जिलाधिकारी मौजूद रहे।

कांग्रेस नेता के जेल से छूटने के बाद रैली में लगे पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे!

वायरल वीडियों के जांच में जुटी पुलिस, कई एंगल से कर रही जांच

सिंगरौली। आरएसएस को गद्दार कहने के मामले में जेल में पॉच दिनों तक बंद रहने के बाद गत दिवस जमानत मिली। जहां कल बीते दिन मंगलवार को पचौर जेल से रिहाई के बाद रैली में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगने का एक वीडियों सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियों की पुष्टि समाचार पत्र नही करता है।

दरअसल म.प्र. कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग के प्रदेश उपाध्यक्ष रामशिरोमणि शाहवाल ने पिछले सप्ताह आरएसएस को गद्दार कहा था। जहां आरएसएस एवं बजरंगदल के कार्यकर्ता कोतवाली पहुंच रामशिरोमणि के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया था। पुलिस ने रामशिरोमणि को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया था। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया था। बीते दिन सोमवार को जिला न्यायालय से मंजूर हुआ और पचौर जेल से कल रिहाई हुई। कांग्रेस नेता रिहाई पर कांग्रेसी व उनके समर्थकों ने जश्न मनाते हुये रैली का आयोजन किया। आरोप है कि इस रैली में अन्य नारों के साथ पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे भी लगे। जिसका वीडियों सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। जिसकी शिकायत पुलिस के यहां की गई है। पुलिस इस बात की जांच में लगी हुई है कि कहीं वीडियों इडिटिंग तो नही की गई है। पुलिस सभी एंगलों से जांच कर रही है।

इनका कहना

भाजपा के नेता शिवम शुक्ला के द्वारा वीडियों को इडिटिंग कर सोशल मीडिया में पोस्ट किया है। मैं उनके खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज कराने जाउंगा। रैली में संविधान जिंदाबाद के नारे लगाये गये हैं।

रामशिरोमणि शाहवाल
कांग्रेसी नेता, सिंगरौली

रामशिरोमणि शाहवाल के जेल से रिहाई के बाद रैली में नारे लगाये गये हैं। ऐसा आरोप है कि पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाये जा रहे थे। हम इस बात का पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं कि वीडिया सही है या फेक है। वीडियों में कही इडिटिंग तो नही की गई है। रैली के दौरान पुलिस भी साथ में थी। मामले की जांच की जा रही है।

पीएस परस्ते
सीएसपी, विंध्यनगर

ग्राम जल एवं स्वच्छता तदर्थ समितियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

सिंगरौली। गोंड देवसर ग्रामीण समूह जल प्रदाय क्रियान्वयन इकाई म.प्र. जल निगम मर्यादित जिला सिंगरौली के महाप्रबंधक पंकज वाधवानी के निर्देशन और प्रबंधक जन सहभागिता विजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन में आज दिन बुधवार 28 मई को एक दिवसीय लेखा संधारण प्रशिक्षण का आयोजन एसडीएम सभागार देवसर में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी जनपद पंचायत देवसर शशिकांत तिवारी द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष पुष्पाला एवं दीप प्रज्वलन कर प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत कर उपस्थित लोगों को जल जीवन मिशन की जानकारी देकर अपने क्षेत्र में योजना को सफल और बेहतर प्रबंधन के लिए सुझाव दिए। जल मिशन से प्राप्त होने वाले फिल्टर पानी से बेहतर स्वस्थ्य रहेगा। ग्राम जल एवं स्वच्छता तदर्थ समितियों के अध्यक्ष और सचिव का लेखा संधारण और रखरखाव के लिए सरपंच और सचिव ने उक्त प्रशिक्षण में हिस्सा लिया।

नवानगर थाना क्षेत्र में पपलू की सिनाजोरी, खुलेआम करता है कोयला तस्करी

अमलोरी का कोयला माजन में बना डाला डंपिंग यार्ड, हर हफ्ते लोड होता है ट्रक

सिंगरौली। नवानगर थाना क्षेत्र में पपलू की कोयला चोरी की सरेआम चर्चा का बाजार गर्म है। इसे पपलू की सिनाजोरी कहे या थाना प्रभारी का खुला संरक्षण समझा जा सकता है।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार सिंगरौली जिला मुख्यालय बैढ़न के समीपी नवानगर थाना क्षेत्र में एक बार फिर पपलू की कोयला चोरी अपने चरम पर चल रही है। बताया जाता है कि थाना क्षेत्र के एनसीएल की अमलोरी कोयला खदान में डंपिंग यार्ड का फैला हुआ कोयला पर कोयला तस्करो की बक्रदृष्टि फैली हुई है। जब भी सेटिंग हुईं, मौका मिलते ही ट्रैक्टर ट्राली से ही सही कोयला सरकाना शुरू कर दिया करते है। अब इन दिनों नवानगर थाना क्षेत्र में आजकल पपलू नामक कोयला तस्कर की पौ बारह चल रही है। बताया जाता है कि जैसे ही शाम ढलना शुरू होती है, वैसे ही पपलू की कोयला चोरी का पारा चढ़ना शुरू हो जाता है। बताया जाता है कि पपलू का कोयला अमलोरी भरूहा मोड़ होते हुए तिरपाल ढके ट्रैक्टर ट्राली नवानगर-अमलोरी मोड़ से सीधे माजन बगीचा में डंप करने पहुंच आता है। यह क्रम लगभग प्रतिदिन शाम से देर रात तक चलता रहता है। सप्ताह भर की जुगाढ़ में जब कोयला लगभग 35 से 40 टन इकट्ठा हो जाता है, तो उसे देर रात जेसीबी द्वारा ट्रक में लोड कर गंत्वय तक रवाना कर दिया जाता है। मसलन हर हफ्ते 10 से 15 लाख रुपये का कोयला तस्करी हो रहा है। जिसमें एनसीएल अमलोरी प्रोजेक्ट को चपत लगाया जा रहा है। बताया जाता है कि इस कोयला तस्करी में पपलू की अपने दम पर ही नहीं नवानगर पुलिस का संरक्षण मिला हुआ है।

विशेष दस्ता पकड़ चुका है पपलू का कोयला

बताया जाता है कि नवानगर थाना क्षेत्र के माजन बगीचा में पपलू के अवैध कोयला डंपिंग यार्ड में माइनिंग और दूसरे थाना की टीम द्वारा वरिष्ठ अफसरों से शिकायत के बाद कोयला जप्ती की कार्रवाई की गई थीं। हालांकि इसमें मौके पर कोई नहीं पाया गया। टीम के हाथ महज कोयला बरामदा हो पाया। इसके बावजूद पपलू कोयला चोरी करवाने से बाज नहीं आ रहा है। चोरी का कोयला जप्त होने के डेढ़-दो माह तक चुप्पी के बाद एक बार फिर पपलू की कोयला चोरी की दुकान धड़ल्ले से चल पड़ी है। अब लोगों में चर्चा है कि अब देखना है पपलू की दुकान कितने दिनों तक फलती-फूलती रहेंगी। स्थानीय लोगों ने पुलिस अधीक्षक से कोयला तस्करों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

इनका कहना है

इस सम्बन्ध में जानकारी नहीं है, कोयला तस्करी की जा रहीं है तो इसकी जाँच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

अभिषेक रंजन
अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक,
सिंगरौली

खनिज विभाग ने अवैध रेत कारोबारियों को खनन की दी छूट !

सिंगरौली। जिले में खनिजों का अवैध उत्खनन एवं परिवहन जोर पकड़ लिया है। आरोप है कि खनिज अधिकारी अवैध कारोबारियों पर नकेल नही कस पा रही है और चर्चा यहां तक है कि खनिज अधिकारी को दफ्तर से बाहर निकला पसंद नही है।

दरअसल भरसेड़ी एवं हर्दी में रेत का अवैध उत्खनन तथा भण्डारण का कारोबार जो पकड़ा हुआ है। आरोप है कि जिला खनिज अधिकारी आकांक्षा पटेल खनिजों के अवैध रेत कारोबारियों पर अंकुश नही लगा पा रही हैं। चर्चा है कि खनिजों के अवैध रेत कारोबारियों को खुली छूट मिली हुई है। जिसके चलते धड़ल्ले के साथ कोतवाली क्षेत्र बैढ़न के बलियरी के रेण नदी व म्यार नदी से रेत का उत्खनन व अवैध परिवहन जोर पकड़ा हुआ है। इधर सरई तहसील क्षेत्र के भरसेड़ी एवं हर्दी में गोपद नदी से रेत का उत्खनन कर अवैध तरीके से भण्डारण किया जा रहा है। इतना ही नही भरसेड़ी में गोपद नदी को इस तरह से छलनी किया जा रहा है कि एनजीटी के दिशा निर्देशों का खुलेआम उल्लंघन हो रहा है और निर्धारित सीमा से ज्यादा रकवे में रेत का उत्खनन व परिवहन कर भण्डारण किया जा रहा है। यहां तक चर्चा है कि इसकी शिकायत जिला खनिज अधिकारी के पास पहुंची है, लेकिन नदी को छलनी कर रहे रेत कारोबारी पर अंकुश लगाने से साहस नही जुटा पा रही है। इसके पीछे कारण क्या है, वह जगजाहिर है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत संभागीय कमिश्नर ने काचन नदी में किया श्रमदान

सिंगरौली। प्रदेश सरकार द्वारा विगत 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद के द्वारा गड़ेरिया पंचायत में पहुंचकर कंचन नदी पुर्नजीवन योजना के तहत श्रमदान किया गया। श्रमदान कार्यक्रम में नदी पुर्नजीवन योजना अंतर्गत बन रहे गेबियन संरचना के पास नदी में गाद निकासी का कार्य कमिश्नर के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीण जनो, छात्रो, जन अभियान परिषद के सदस्यों के द्वारा किया गया।

इस अवसर उपस्थित ग्रामीणों सहित जन अभियान परिषद के सदस्यो छात्रो को संबोधित करते हुये कमिश्नर ने कहा कि जल संबंधित समस्याएं हमारे द्वारा निर्मित समस्या है। हमारे द्वारा काटे गये वृक्षो के वजह से आज जल का स्तर नीचे चला गया है। अब हमारी जिम्मेदारी है कि हमारे आने वाले कल के लिए आज से ही जल को संरक्षित करके रखे। उन्होंने कहा कि हमे प्रयास करना होगा कि खेत का पानी खेत में गांव का पानी गांव में रहे, जिससे स्वच्छ पेयजल की समस्या का समाधान हो सके। श्री जामोद ने जल संरक्षण की उपयोगिता बताते हुये कहा कि हमे अपने आने वाली पीढ़ी के लिए आज से ही जल संरक्षण करना होगा। जिसके लिए हमें अपनी विचारधारा को सुधारते हुये संकल्प लेना होगा कि हम पानी की हर एक बूद को संरक्षित करके रखें। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण के लिए अपने जीवन शैली में उचित जल प्रबंधन को आत्मसात करना होगा। साथ ही जल गंगा संवर्धन अभियान में चल रहे कार्यो में सभी जन अपना योगदान दें। सामूहिक योगदान के माध्यम से ही किसी भी अभियान को सफल बनाया जा सकता है। उन्होंने पेड़ो की महत्वता बताते हुये कहा कि वनो से ही वर्षा होती है, नदियो का उदग्म स्थल भी वनो से होता है, इसलिए हमें वन संरक्षण के साथ-साथ वृक्षारोपण में भी अपना योगदान देना होगा। हमें जल स्त्रोतो के आसपास वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कर हरित पट्टी का निर्माण करना होगा, जिसके माध्यम से हम मिट्टी के काटव को रोकने में सफल होंगे साथ ही नदिया सदानीर रहेगी। इस अवसर कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला ने कहा कि जल के अपव्यय एवं वृक्षो की अंधाधुंध कटाई से आज हमें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

शहर में कहीं भी गंदगी ना हो जमा : आयुक्त

सिंगरौली। नगर निगम आयुक्त डीके शर्मा के द्वारा निगम के अधिकारी सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित कर पर्यावरण दिवस से प्रारंभ हो रहे एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तैयारियों की विस्तार से समीक्षा करते हुये निर्देशित किया कि नगरीय क्षेत्र के जिन स्थलो पर पौधारोपण किया जाना है, उनको चिन्हित कर लिया जाये।

निगमायुक्त ने कहा कि नगरीय क्षेत्र में शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुसार पौधा रोपण किया जाना है, इसके लिए पौधो की उपलब्ध भी समय से सुनिश्चित किया जाये। ताकि अभियान के दौरान किसी भी प्रकार की बाधा न होने पाये। निगमायुक्त ने शहर के नाले व नालियों के साफ -सफाई व्यवस्था की समीक्षा करते हुये निर्देशित किया कि मानसून के पहले शहर की सभी नालियो की साफ - सफाई पूर्ण कर लिया जाये। ताकि बरसात के समय कही भी जल भराव की स्थिति निर्मित न हो। उन्होने नालियों की सफाई कराने के साथ ही उनमे किटनाशक दवाओं को छिड़काव कराने के भी निर्देशित किया। निगमायुक्त सभी जोनो से उपयंत्रियो को निर्देशित किया कि अपने निगरानी में नालियों की सफाई कराने के पश्चात पालन प्रतिवेदन देना सुनिश्चित करे। निगमायुक्त ने कचरा प्रबंधन को लेकर अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहर के किसी भी कोने में कूड़े का ढेर जमा न हो। हर क्षेत्र में प्रतिदिन कूड़ा उठाया जाए और कहा कि ऐसी शिकायत नही मिलनी चाहिए कि कचरे कई दिनों से उठाव नही कराया गया है। कचरा संग्रहण की नियमित मॉनिटरिंग किया जाये। ननि आयुक्त सभी विभागीय अधिकारयों को मिशन कर्मयोगी में लोगइन कराने के भी निर्देशित किया।

खड़े हाईवा में बेकाबू बाईक ने मारा ठोकर

दो की मौत, एक हालत नाजुक, सुलियरी मुख्य मार्ग में हुआ सड़क हादसा

सिंगरौली । लंघाडोल थाना क्षेत्र के सुलियरी मुख्य मार्ग में बीती रात बाईक सवार युवक चालक ने खड़े हाईवा वाहन के पीछे घुस गया। जहां बाईक सवार एक युवक की घटनास्थल पर मौत हो गई। जबकि उसमें सवार दो युवक घायल हो गये। घायलों में एक युवक की हालत नाजुक बताई जा रही है। जहां रीवा मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार लंघाडोल थाना क्षेत्र के सुलियरी मुख्य मार्ग में एक हाईवा वाहन ब्रेक फेल होने से सड़क के किनारे खड़ा था। जहां मंगलवार की रात करीब 10-30 बजे मोटरसाइकिल में सवार होकर तीन युवक बिनस शाह पिता संतोष शाह उम्र 20 वर्ष निवासी सुहिरा-बंधौरा, मनीष शाह पिता अमरेश शाह उम्र 22 वर्ष निवासी सुहिरा, राकेश शाह पिता रामप्रकास शाह उम्र 24 वर्ष निवासी बोरा जा रहे थे कि बेकाबू अनियंत्रित मोटरसाइकिल खड़े हाईवा वाहन के पीछे घुस गई। जिसमें बिनस शाह की मौत हो गई। वही मनीष का चल रहे मेडिकल कॉलेज रीवा में इलाज के दौरान मौत हो गई एवं राकेश घायल हो गये। इधर उक्त घटना के बाद गुस्साएं मृतक के परिजनों ने सुलियरी मार्ग को बाधित मुआवजा की मांग करने लगे। करीब तीन घंटे से अधिक समय तक जाम चलता रहा। पुलिस के काफी मसक्कत के बाद मामला किसी तरह शांत हुआ। फिलहाल लंघाडोल पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

इनका कहना

सुलियरी मुख्य मार्ग में बीती रात खड़े हाईवा वाहन के पीछे से मोटरसाइकिल सवार तीन युवक टकरा गये। जिसमें एक युवक की घटनास्थल पर एवं एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गये। घायल का इलाज जारी हैं।

पुष्पेन्द्र धुर्वे
थाना प्रभारी, लंघाडोल

रीवा कमिश्नर ने कृषि विभाग एवं सबंद्ध विभागो के अधिकारियों का संयुक्त प्रशिक्षण आयोजित

सिंगरौली । रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद के अध्यक्षता एवं कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला के उपस्थिति में कृषि विज्ञान केन्द्र में कृषि विभाग एवं संबद्ध विभागो के अधिकारियों का संयुक्त प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में उपस्थित अधिकारियों को संबोधित करते हुये कमिश्नर ने कहा कि किसान को केन्द्र विंदु मानकर सभी योजनाओं का समन्वय के साथ कृषि एवं संबंधित विभाग लाभान्वित करायें। उन्होंने कहा कि योजनाएं समिति हैं। इसलिए किसानो के समग्र विकास के लिए उन्हें तकनिकी सहायता उपलब्ध कराना अत्यन्त आवश्यक है।

कमिश्नर ने कहा कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य किसानो को सर्वर्गीण विकास की ओर अग्रसर करना है। उन्होंने कहा सिंगरौली एक ऐसा जिला है जहां पर सभी प्रकार की मृदा उपलब्ध है। साथ ही अनेको प्रकार के फसलो के उत्पादन करने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि फसलो की पैदावार को बढ़ाने के लिए हमे पारंम्परिक विधि एवं वैज्ञानिक विधि के मिश्रण से खेती करने के लिए प्रेरित करना होगा। जिसके लिए कृषि एवं कृषि संबंधित विभाग मत्स्य पालन, उद्यानिकी, वेटनरी आपस में समन्वय बनाकर किसानो को उन्नत किस्म की खेती करने के लिए सहभागीता दे। उन्होंने कहा कि जलवायु परिर्वतन सभी के लिए एक बड़ी चुनौती है। ऐसे समय में जो गेहूँ तथा धान की फसलो के पैदावार में अधिक मात्रा में जल का उपयोग होता है। उससे जल संकट की संभावना बनी रहती है। अत- हमे किसानों को कम पानी में पैदा होने वाली फसलो श्रीअन्न सहित अन्य की पैदावार करने के लिए प्रेरित करना होगा। कमिश्नर ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अधिकारियों को निर्देशित किया कि अधिकारी समिति दायरे के साथ क्षेत्र का भ्रमण न करे। किसानो की जारूरतो को समझते हुये संबंधित विभागीय अधिकारी से समन्वय किसान की परेशानी को दूर करे। उन्होने कहा कि जिले के दूरस्थ क्षेत्र में निवास करने वाले किसानो तक शासन की योजनाओं का प्रचार-प्रसार कराये साथ मार्गदर्शन देकर किसानो को शासन की योजनाओं का लाभ लेने के प्रेरित करे और किसनो का रकवा समय के साथ कम हो रहा है। प्रशिक्षण के दौरान जिपं सीईओ, जेडी केएस नेताम, जेडीवीएस डॉ. राजेश मिश्रा, जेडी फिसरिज डॉ. अंजना सिंह, डीडी, आशीश पाण्डेय, उप संचालक उद्यानिकी एचएल निमोरिया सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सरकारी स्कूलों की शिक्षा पर कसावट, टीचरों के चेहरे से लगेगी अटेंडेंस

जुलाई से चलेगा शिक्षा विभाग का यह नया एप, सार्थक एप के माध्यम से ही मिलेगा अवकाश

सीधी

राज्य सरकार ने सरकारी स्कूलों की शैक्षणिक व्यवस्था पर कसावट लाने फिर एक नई तरकीब ढूंढ रहा है, अब सरकारी स्कूल के शिक्षकों की अटेंडेंस चेहरा दिखाकर लगेगी, ऐसी तैयारी स्कूल शिक्षा विभाग करने में लगा हुआ है। सार्थक एप में ऑनलाइन हाजिरी तो होगी ही एप में फिंगर नहीं चेहरा दिखाना होगा तो लोकेशन भी उसी विद्यालय की होनी चाहिए जहां उनकी पोस्टिंग है। इसके पीछे कि वजह ये है कि जो शिक्षक अपने स्थान पर दूसरों को पढ़ाने भेजते हैं, उनकी इस मनमानी पर लगाम लग सकेगी। इसके लिए हर जिले से दो प्रोग्रामरों को प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। कुल मिलाकर इस तैयारी के बाद से अब सरकारी स्कूलों से शिक्षक गायब नहीं रह पाएंगे। इसके लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने नई पहल की है।

नए शैक्षणिक सत्र से होगी शुरुआत

स्कूल शिक्षा विभाग का यह एप शिक्षकों की लोकेशन दर्ज करेगा साथ ही आनलाइन चेहरा दिखाई देने पर ही उपस्थिति लगेगी। गर्मी की छुट्टियों के बाद स्कूल खुलेंगे तो जुलाई से शिक्षकों की ऑनलाइन उपस्थिति अनिवार्य कर दी जाएगी। हालांकि इसके पहले स्कूल शिक्षा मित्र की व्यवस्था भी लागू की गई थी लेकिन वो ज्यादा कारगर नहीं हुई है। जबकि यह व्यवस्था अनिवार्य की गई थी। लिहजा सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की उपस्थिति को लेकर सवाल हमेशा खड़े होते रहे हैं। कई जगह ऐसी भी शिकायते हैं कि पदस्थ शिक्षकों द्वारा स्कूल में पढाने जाने की बजाय उनके स्थान पर दूसरे लोग पढ़ाने जाते हैं। वहीं कुछ शिक्षक स्कूलों के निर्धारित समय पर नहीं पहुंचते हैं।

पहले भी सरकार बना चुकी हैं तीन बार व्यवस्था, लेकिन फेल

स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से वर्ष 2017, वर्ष 2020 और वर्ष 2022 में प्रयास किया गया कि ऑनलाइन उपस्थिति एम शिक्षा मित्र एप के जरिए शुरू की गई थी। लेकिन शिक्षकों ने इस प्रक्रिया का विरोध किया। कभी स्मार्ट फोन न होने तो कभी नेटवर्क न मिलने का बहाना बनाया गया। हर बार ऑनलाइन उपस्थिति से कन्नी काटी जाती रही। विभाग के लागातार प्रयासों के बाद भी कई कारणों से यह प्रक्रिया ठीक से लागू नहीं हो पाई।

अब अवकाश के लिए भी सार्थक में ही आवेदन

सालों से स्वास्थ्य विभाग में भी सार्थक एप से हाजिरी की व्यवस्था है और लोकेशन की प्रक्रिया यहां भी है लेकिन इसमें भी चिकित्सा अधिकारियों से कर्मचारियों तक का विरोध जारी रहा है और ठीक से यह ऑनलाइन व्यवस्था लागू नहीं हुई। अब स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा सार्थक एप की नई व्यवस्था में कर्मचारी व शिक्षक छुट्टी के लिए भी आवेदन कर सकेंगे और शासन से किसी भी प्रकार का कार्यालयीन पत्राचार इस एप से हो जाएगा। दरअसल, बताया यह जा रहा है कि सार्थक एप मध्य प्रदेश सरकार के पोर्टल से जुड़ा नवीनतम मोबाइल एप्लीकेशन है। सरकारी स्कूलों में अब शिक्षकों की सार्थक एप के माध्यम से आनलाइन उपस्थिति दर्ज की जाएगी। इस बार इसे बेहतर तरीके से लागू किया जाएगा। जुलाई से यह अनिवार्य कर दिया जाएगा। ऐसे दावे अधिकारियों द्वारा किए जारहे हैं खुलकर बोलने से कतरा रहे हैं कि कही इसमें भी स्वास्थ्य विभाग की तरह ही विरोध न शुरु हो जाए और व्यव्स्था लागू होने से पहले ही विवादित हो जाए।

श्री वेद माता गायत्री ट्रस्ट आश्रम पड़खुरी में पांच दिवसीय विशिष्ट साधना सत्र संपन्न

सीधी। पांच दिवसीय विशिष्ट साधना सत्र का उद्देश्य विचार क्रांति अभियान को विश्व व्यापी बनाना, युग नेतृत्व के लिए मनस्वी साधकों को प्रेरित करना, आत्म कल्याण तथा लोक हित की प्राप्ति है। यह साधना परम पूज्य गुरुदेव वंदनीय माता जी के पवित्रतम उद्देश्य लोक हितार्थ एवं आत्म कल्याण की पूर्ति के लिए उन्हीं के द्वारा बनाए गए साधना विधान को ध्यान में रखते हुए निःशुल्क आयोजित है। श्री वेद माता गायत्री ट्रस्ट आश्रम पडखुरी जिला सीधी में 21मई से 25 मई 2025 तक द्वितीय साधना सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें इंदौर, शाजापुर, सीधी, नागोद, शहडोल एवं रीवा के 20 परिजनों की भागीदारी रही। जिसमें प्रतिदिन प्रातः 4 बजे से रात्रि 8:30 तक विभिन्न क्रम संपन्न किये गएए प्रातः 5 से 7:30 बजे सामूहिक गायत्री महामंत्र का जापए शिविर के पांच दिनों मे एक लाख पचास हजार गायत्री महामंत्र का जाप किया गया। शांतिकुंज हरिद्वार के प्रतिनिधि आरसी. गायकवाड़, दिनेश देशमुख की गरिमामय उपस्थिति में पांच दिवसीय साधना सत्र हरिद्वार के साधना विधान अनुसार संपन्न कराया गया। प्रभाकांत तिवारी उप जोन समन्वयक एवं व्यवस्थापक पडखुरी आश्रम ने साधकों को गायत्री जाप का महत्व एवं यज्ञ का ज्ञान विज्ञान, संगठन का स्वरूप एवं महत्व, जन्म शताब्दी वर्ष हेतु हमारे दायित्व, आरसी गायकवाड़ ने युग निर्माण के सत संकल्प, अपने अंग अवयवों तथा यज्ञीय कर्मकाण्ड का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। साथ ही साधकों की शंकाओं का समाधान किया तथा साधकों के लिए अनुपम अद्वितीय व्यवस्था उपलब्ध कराई। साधना सत्र शिविर को सम्पन्न कराने में दिनेश बैश, द्वारका पटेल एवं लाला का सहयोग सराहनीय रहा। इस साधना सत्र मे उपस्थित कार्यकताओं द्वारा अपने अपने क्षेत्र मे सक्रिय भूमिका निभाने का एवं पांच कार्यकर्ताओ द्वारा एक-एक माह का समयदान, डखुरी आश्रम, रामपुर नैकिन जिला सीधी हेतु संकल्प लिवा गया। सत्र प्रत्येक माह 21 से 25 तारीख तक पडखुरी मे आयोजित होगा। जिसका आवेदन शांतिकुंज के लिंक के माध्यम से ऑनलाइन किया जा सकता है।

कुशमहर चौराहे में लगेगी बिरसा मुंडा की अष्टधातु मूर्ति : ज्ञानेन्द्र

सीधी। जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री व विधायक प्रतिनिधि ज्ञानेन्द्र अग्निहोत्री गुरुबाबा ने कहा कि चुरहट विधानसभा के कुशमहर में करोड़ों लोगों के आस्था के केंद्र महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी जननायक 卐धरती आबा卐 भगवान बिरसा मुंडा जी की खण्डित मूर्ति के स्थान पर जन सहयोग से अष्टधातु की नई मूर्ति लगाई जाएगी। समय और तिथि उस अंचल के लोग तय करेंगे। ज्ञानेंद्र ने आगे कहा ज्ञात हो कि विगत दिनों कुछ शरारती तत्वों द्वारा बिरसा मुंडा की प्रतिमा को खण्डित कर दिया गया था। जिसे भाजपा नेताओं द्वारा राजनैतिक तूल दिया

जा रहा था।पूर्व विधायक के सोशल मीडिया के बयान में सामंतवाद शब्द सुनकर कितना अजीब लगता है। जिनके द्वारा एक नए तरह के सामंतवाद को जन्म दिया गया था। चारों तरफ भय और आतंक का माहौल सा बन गया था। जो लोग मूर्ति के सहारे अपनी खोई हुई राजनीति को वापस पाने का अवसर मान रहे है अब उनके तथाकथित कुचक्र वाले शरारती मंसूबे सफल नहीं हो पाएंगे।

उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार है कानून व्यवस्था बनाने की जवाबदारी भाजपा की है और भाजपा के लोग ही अपनी सरकार पर आरोप प्रत्यारोप कर रहे हैं इससे स्पष्ट होता है कि प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति बहुत गंभीर है उन्होंने प्रशासन से जल्द से जल्द दोषियों को खोज कर उनके ऊपर कठोरतम कार्यवाही करने की मांग की है। श्री अग्निहोत्री ने कहा विरसा मुंडा के विचार मूर्ति स्थापित होने के पहले भी थे आगे भी रहेंगे।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में देवी अहिल्याबाई - जीवन और दर्शन विषय पर आयोजित हुई भाषण प्रतियोगिता

सीधी। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार संजय गांधी स्मृति शासकीय महाविद्यालय सीधी में बुधवार दिनांक 28 मई 2025 को ''देवी अहिल्याबाई -जीवन और दर्शन'' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता में संजीव सिंह कुशवाहा एम ए चतुर्थ सेमेस्टर अव्वल स्थान पर रहे। तीन दिवसीय प्रतियोगिताओ में निबंध, भाषण एवं पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया जाना है जिनका समापन 31 मई 2025 को लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर की 300 वीं जयंती महापर्व पर होगा।

प्रतियोगिता के उपरांत डॉ

दिलीप कुमार सोनी विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग ने लोक माता देवी अहिल्याबाई के जीवन दर्शन पर छात्र-छात्राओं को संबोधित किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी. के. सिंह अपने उद्बोधन से प्रतिभागियों एवं आयोजको का मनोबल बढ़ाया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के सहायक प्राध्यापक, अतिथि विद्वान तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जनकल्याणी पर्व के अवसर पर शासकीय महाविद्यालय मड़वास में निबंध प्रतियोगिता सम्पन्न

सीधी। शासकीय महाविद्यालय मड़वास में मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार एवं प्राचार्य डॉ. आई.पी. प्रजापति के मार्गदर्शन में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में लोकव्यापी जनकल्याणी पर्व के तारतम्य में द्वितीय दिवस में देवी अहिल्याबाई जीवन और दर्शन विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कई छात्र/छात्राओ ने भाग लिया जिसमे प्रथम स्थान पर छात्रा कुमारी प्रिया द्विवेदी, द्वितीय स्थान पर मंदाकिनी तिवारी एवं तृतीय स्थान पर प्राची गुप्ता रही। निबंध प्रतियोगिता के निर्णायक डॉ. ज्योति रजक और डॉ. निशा सिंह थी। निबंध प्रतियोगिता में कार्यक्रम संयोजक डॉ. दीपक अग्निहोत्री, डॉ. संगीता मिश्रा, डॉ. आकांक्षा मिश्रा, डॉ. कमलेश जायसवाल, डॉ. अनुराग तिवारी, डॉ पंकज मिश्रा डॉ. रामधारी जायसवाल, प्रो. प्रवीण कुमार, प्रो. बाबा हरिनन्द, डॉ. सुरेंद्र गुप्ता, डॉ. लक्ष्मीकांत कुशवाहा, श्री अनिल केवट सहित महाविद्यालय के छात्र/छात्राए उपस्थित थे।

पीएम स्वनिधि योजना का लाभ लेकर पूजा बनी अपने परिवार का सहारा

सीधी। नगर पालिका सीधी की श्रीमती पूजा सेन पीएम स्वनिधि योजना का लाभ लेकर आत्मनिर्भर और अपने परिवार का सहारा बन गई हैं। कोविड काल के पहले उनके पति सैलून का व्यवसाय करते थे किंतु कोरोना काल में सभी प्रकार के व्यवसाय बंद होने के कारण उनके पति का भी व्यवसाय बंद हो गया था। इस समय उनके परिवार के भरण पोषण का संकट आ गया। इस कठिन समय को पूजा ने एक अवसर की तरह देखा और पीएम स्वनिधि

योजना के माध्यम से 10 हजार रुपये का ब्याजमुक्त लोन लेकर सिलाई का काम शुरु किया।

कोविड वारियर बनकर उन्होंने घर पर ही कपड़ों से मास्क बनाकर विक्रय किया। इसके बाद द्वितीय चरण में 20 हजार और तृतीय चरण में 50 हजार रुपये की राशि प्राप्त कर अपने व्यवसाय को बढ़ाया। इसके माध्यम से वह घर पर ही अपने आसपास के पड़ोस के महिलाओं के कपड़े सिलकर अपनी आजीविका को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही हैं। इस योजना के माध्यम से बिना ब्याज के ऋण बैंक से प्राप्त हुआ समय से किस्त भरने पर कैशबैक की भी राशि उन्हें प्राप्त हो रही है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की योजना से हम जैसे गरीबों को बहुत ही लाभ प्राप्त हुआ है। इस योजना के साथ-साथ मुझे शासन की अन्य योजनाओं के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना, बीपीएल कार्ड, राशन, संबल कार्ड, लाडली बहना एवं आयुष्मान कार्ड से निःशुल्क इलाज का भी लाभ मिल रहा है। इस प्रकार की योजना के लिए मैं प्रधानमंत्री जी एवं मुख्यमंत्री जी को सादर धन्यवाद देना चाहती हूं।

कांग्रेस की जय हिंद रैली 30 मई को होगी आयोजित

सीधी। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर जिला कांग्रेस कमेटी सीधी के तत्वाधान में दिनांक 30 मई को शाम 4 बजे से जय हिन्द रैली और संविधान बचाओ अभियान का आयोजन कांग्रेस कार्यालय से प्रारंभ होकर अस्पताल चौक होते हुए कलेक्ट्रेट चौक तक किया जाना है। तत्पश्चात बाबा साहब की मूर्ति पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का समापन होना है। कार्यक्रम की शुरुआत जवाहर कांग्रेस भवन से होना है।

रानी साकेत को स्वनिधि से मिला संबल

सीधी। सीधी नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 15 की रानी साकेत एवं उनके पति के द्वारा फुटपाथ पर पूजन सामग्री के विक्रय से जुड़ा व्यवसाय किया जाता था किंतु कोविड काल में पति की मृत्यु होने के कारण घर पूरी तरह से टूट गया था और कोई आजीविका का कोई साधन नहीं था। घर का चलना बहुत ही मुश्किल हो गया था। पति के जाने के बाद घर की पूरी जिम्मेदारी रानी के ऊपर आ गई जिसके बाद उन्होंने पीएम स्वनिधि योजना के तहत पंजीयन करवाते हुए 10 हजार रुपये की ब्याज मुक्त

राशि प्राप्त की और अपने आजीविका को आगे बढ़ाने के लिए पति के द्वारा जो व्यवसाय किया जा रहा था उस कार्य को आगे बढ़ाया।

रानी बताती है कि कोविड महामारी में घर का पालन पोषण करना बहुत ही मुश्किल हो गया था लेकिन लॉकडाउन के पश्चात इस योजना के कारण वह बंद हुए व्यवसाय को फिर से चालू कर पाई। अपने घर को इस व्यवसाय के सहारे आगे बढ़ा रहे है। 10 हजार रुपये की राशि जमा करने के बाद 20 हजार रुपये का लोन बैंक से प्राप्त हुआ जिससे वह धीरे-धीरे अपनी किस्तों को भी भर रही है। रानी बताती है कि शासन की इस प्रकार की महत्वपूर्ण योजना के साथ-साथ उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना, कल्याणी पेंशन योजना, लाडली बहन योजना, निःशुल्क राशन, आयुष्मान कार्ड योजना का भी लाभ प्राप्त हो रहा है।

15 वर्ष से पूर्णता की बाट जोह रहा सीधी सिंगरौली मार्ग

शिवसेना प्रदेश उपाध्यक्ष ने दी आंदोलन की चेतावनी

सीधी। राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-39 सीधी सिंगरौली एक बार फिर से चर्चा में है। शिवसेना प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक पांडे ने इस अधूरे और बदहाल मार्ग को लेकर सरकार, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और निर्माण एजेंसियों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पिछले 15 वर्षों से इस सड़क के नाम पर केवल फर्जी राजनीति हो रही है और जनता आज भी मूलभूत सड़क सुविधा के लिए तरस रही है। पांडे ने कहा कि एनएच-39 का आधा-अधूरा निर्माण कार्य केवल भ्रष्ट तंत्र और लापरवाह प्रशासन की देन है। सरकारें आती-जाती रहीं, लेकिन सड़क वहीं की वहीं है। अब यह मार्ग विकास का प्रतीक नहीं, बल्कि मज़ाक का विषय बन चुका है। विवेक पांडे ने स्थानीय सांसद और विधायकों पर भी करारा हमला बोलते हुए कहा कि इनकी राजनीति सिर्फ सोशल मीडिया के फोटो और पोस्ट तक सिमटी

हुई है। ज़मीन पर कोई ठोस काम नहीं दिखता, केवल खोखले दावे और घोषणाएं हैं। उन्होंने बताया कि इस मार्ग के निर्माण के लिए लगातार दूसरी बार टेंडर भी रद्द हो गया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि सरकार और संबंधित विभाग गंभीर नहीं हैं। ऐसा लगता है जैसे टेंडर और निर्माण प्रक्रिया केवल एक औपचारिकता बनकर रह गई है। विवेक पांडे ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही इस मार्ग का कार्य शुरू नहीं हुआ और पारदर्शिता के साथ पूरा नहीं किया गया तो शिवसेना चरणबद्ध जन आंदोलन करेगी। उन्होंने मांग उठाई है कि एनएच-39 के निर्माण की जिम्मेदारी किसी स्वतंत्र एजेंसी को दी जाए और काम की सार्वजनिक निगरानी सुनिश्चित की जाए। अगर एक निश्चित समय पर इस मार्ग का गुणवत्ता पूर्ण कार्य नहीं कराया गया तो शिवसेना सड़क पर उतरेगी।

विकसित कृषि संकल्प अभियान का शुभांरभ 29 मई को

सीधी। प्रमुख वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र सीधी ने जानकारी देकर बताया है कि कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास विभाग भारत सरकार तथा मध्यप्रदेश शासन किसान कल्याण तथा कृषि विकास के निर्देशानुसार विकसित कृषि संकल्प अभियान का आयोजन दिनांक 29.05.2025 से 12.06.2025 तक सीधी जिले के 135 ग्राम पंचायतों में किया जायेगा। उक्त अभियान के अन्तर्गत केन्द्रीय योजनाओं एवं म.प्र. सरकार की प्रमुख योजनाओं कृषि वैज्ञानिकों द्वारा विकसित की गई नवीन उन्नत कृषि तकनीकियों तथा कृषकों द्वारा कृषि के क्षेत्र में किये जा रहे नवाचारों की जानकारी स्थानीय स्तर पर कृषि वैज्ञानिकों, विभागीय अधिकारियों, कृषि उद्यमी एवं प्रगतिशील कृषकों के द्वारा कृषकों को दिया जाना है।

कार्यालय, मुख्य वन संरक्षक एवं क्षेत्र संचालक, संजय टाईगर रिजर्व,
शिवाजी नगर, नौढ़िया, जिला-सीधी, 486661, (मध्य प्रदेश)
फोन नम्बर-7822297542
E.mail. fdsajnp.sdh@mp.gov.in, fdsanjay_tr@rediffmail.com, website. www.sanjaytigerreserve.in

क्र./ई-निविदा/2025/......... सीधी दिनांक ....

-: ई-निविदा सूचना :-

कार्यालय मुख्य वन संरक्षक एवं क्षेत्र संचालक, संजय टाईगर रिजर्व, सीधी के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में कम्प्यूटर डेस्कटॉप कम्प्लीट, प्रिन्टर 06 नग सहित क्रय के लिये शासकीय कार्यो हेतु वाणिज्यिक कर अधिनियम के तहत् पंजीकृत, प्रतिष्ठित निर्माताओं तथा अधिकृत विक्रेताओं के लिये आनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

इस निविदा के लिये दिनांक 30.05.2025 से आवेदन केवल ऑनलाईन माध्यम से आमंत्रित किये जा रहे हैं। टेण्डर की विस्तृत जानकारी https://mptenders.gov.in/ के माध्यम से प्राप्त की जा सकेगी। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 12.06.2025 समय शाम 3.00 तक रहेगी। निविदा खोलने की तिथि 13.06.2025 को दोपहर 3.00 बजे तक रहेगा। उक्त निविदा वन विभाग की ऑफिशियल वेबसाईट https://mpforest.gov.in/ पर भी देखी जा सकेगी।

उप संचालक
संजय टाईगर रिजर्व, सीधी

जी-13489/25

कार्यालय कार्यपालन यंत्री,
म.प्र. लोक निर्माण विभाग, (भ./स.) सीधी संभाग सीधी
Website - www.mppwd.gov.in/pwdmp, email - eepwdsidhi@mp.nic.in

नि सू क्र. 05/2025-26

सीधी, दिनांक 27.05.2025

निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्न कार्यो हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा समस्त संसोधनों सहित के आधार पर, प्रपत्र - 'अ' में निविदाकारों, जो केन्द्रीय पंजीयन प्रणाली के तहत लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत हों, से आमंत्रित की जाती है :-

ग्रुप क्र.	टेंडर आई०डी०	कार्य का नाम	ठेके की अनुमानित राशि (रु लाख में)	1. अमानत राशि 2. नि. प्रपत्र का मूल्य	1. निविदा आमंत्रण क्रमांक 2. कार्यावधि
1	2	3	4	5	6
1	2025_PWDRB_425245	उपसंभाग चुरहट के अन्तर्गत बघऊ अमिलिया मार्ग ल. 1.80 किमी. का निर्माण कार्य। लो०नि०वि०, सड़क एस.ओ.आर. 11.04.2025	171.46	1. 171460 2. 12500	1. प्रथम आमंत्रण 2 04 माह वर्षाकाल सहित
		योग :-	171.46		

1. ऑन लाइन पोर्टल http://mptenders.gov.in के माध्यम से निविदा प्रपत्र क्रय करने, डाउनलोड एवं निविदा डालने का समय एवं दिनांक 02.06.2025 सुबह 10.30 से 17.06.2025 शाम 5.30 तक है।
2. अमानत राशि, केन्द्रीयकृत पी.डब्लू.डी. पंजीयन, शपथ पत्र, जी.एस.टी.एन. एवं अन्य अभिलेख (लिफाफा-अ), सिर्फ ऑनलाइन अपलोड किये जा सकते है।
3. उक्त सभी कार्य म.प्र. शासन लो.नि.वि. मंत्रालय भोपाल के आदेश क्र. एफ 53/02/2011/यो/19/524 भोपाल, दिनांक 14.02.2025 के अनुसार एस.ओ.आर. से 20 प्रतिशत से अधिक कम दर (Rates Below SOR Beyond 20%) डालने पर दोगुनी दर से अतिरिक्त परफारमेन्स गारंटी की राशि जमा करनी होगी, जो कि सिर्फ एफ.डी.आर. के रूप में मान्य होगी।
4. निविदा से संबंधित सशोधन, समय परिवर्तन आदि की सूचना केवल बेवसाइट के माध्यम से दी जावेगी।
5. विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट पर देखा जा सकता है।

(एम.के. परते)
कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि., संभाग सीधी (म.प्र.)

जी-13505/25

संपादकीय

लालू की चुनौती

लालू प्रसाद यादव का अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को पार्टी और परिवार से निष्कासित करना डैमेज कंट्रोल की एक कोशिश है। हालांकि इस पूरे प्रकरण से बिहार विधानसभा चुनाव से पहले आरजेडी के लिए एक नई मुसीबत तो खड़ी ही हो गई है। भले यह मामला तेज प्रताप के निजी जीवन से जुड़ा हो, लेकिन उन पर जिस तरह का एक्शन हुआ, उससे जाहिर है कि इसकी परछाई लालू परिवार और उसकी सियासत पर पड़ने का भी डर है। तेज प्रताप ने 2015 में पहला चुनाव लड़ा था और नीतीश सरकार में स्वास्थ्य व पर्यावरण मंत्री बने थे। तब से अभी तक वह कई बार असहज स्थिति पैदा कर चुके हैं और हर बार परिवार-पार्टी को उनके बचाव में उतरना पड़ा। लेकिन, उनकी कुछ हरकतों ने आरजेडी के परंपरागत समर्थक वर्ग को भी नाराज किया था। बिहार के पूर्व सीएम दरोगा राय की पौत्री के साथ उनकी असफल शादी और अब तलाक का केस पूरे परिवार की किरकिरी करा चुका है। आरजेडी में अपनी भूमिका और कद को लेकर तेज प्रताप कभी संतुष्ट नहीं दिखाई दिए। लालू के उत्तराधिकार के लिए दोनों भाइयों के बीच होड़ की खबरें आती रहीं और यह लड़ाई 2019 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले उस समय सतह पर आ गई, जब तेज प्रताप ने एक अलग मोर्चा ही बना दिया। 2020 के विधानसभा चुनाव में यह स्पष्ट हो गया कि लालू ने अपना उत्तराधिकारी तेजस्वी को चुन लिया है। इस बार आरजेडी का पूरा जोर है कि चुनावी मैदान में उतरने से पहले महागठबंधन की तरफ से सीएम पद का चेहरा तेजस्वी को घोषित कर दिया जाए। हालांकि इसके लिए सभी सहयोगी दलों के बीच सहमति बनाना थोड़ा मुश्किल हो रहा है। पिछले विधानसभा चुनाव में 75 सीटों के साथ आरजेडी राज्य में सबसे बड़ा दल बनकर उभरा था। पार्टी अपना वही दबदबा गठबंधन के भीतर भी कायम रखना चाहती है, जबकि कांग्रेस ने संकेत दिए हैं कि उसे पिछलग्गू नहीं, बराबरी का दर्जा चाहिए। पिछले दिनों अपनी राज्य इकाई में बदलाव कर उसने यह मेसेज दे दिया था। आरजेडी के सामने सीट बंटवारे की चुनौती है। उस पर कांग्रेस ही नहीं, वामदल और मुकेश सहनी की वीआईपी जैसे घटक दलों का भी दबाव है। महागठबंधन की तुलना में एनडीए में फिलहाल ज्यादा सामंजस्य नजर आ रहा है। भाजपा ने साफ कर दिया है कि चुनाव नीतीश कुमार के चेहरे पर लड़ा जाएगा। ऐसा नहीं है कि यहां सीट बंटवारे का फॉर्मूला फिक्स हो चुका है, लेकिन अगर कोई परेशानी है भी तो वह सतह पर नजर नहीं आई है।

सेना के शौर्य पर सम्मान की बजाय अपमान के बिगड़े बोल को लेकर राजनीतिक घमासान छिड़ जाना स्वाभाविक है। कर्नल सोफिया और विंग कमांडर ब्योमिका सिंह के संबंध में क्रमशः मंत्री विजय शाह और सपा महासचिव राम गोपाल यादव द्वारा की गई टिप्पणियों पर राजनीतिक विवाद और कानूनी कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। बड़ा प्रश्न है कि क्या धर्म और जाति के नाम पर वोट के लिए सेना और सेना से जुड़ी बेटियों के सम्मान को चोट पहुंचाई जाना उचित है? चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष वाणी का संयम अपेक्षित है। भारतीय राजनीति में बिगड़े बोल, असंयमित भाषा एवं कड़ावपन की मानसिकता चिन्ताजनक है। ऐसा लगता है ऊपर से नीचे तक सड़कछाप भाषा ने अपनी बड़ी जगह बना ली है। यह ऐसा समय है जब शब्द सहमे हुए हैं, क्योंकि उनके दुरूपयोग की घटनाएं लगातार जारी हैं।

नेताओं के बिगड़े बोल से आहत होती राष्ट्रीयता

(ललित गर्ग)

नफरती सोच एवं हेट स्पीच का बाजार बहुत गर्म है। राजनीति की सोच ही दूषित एवं घृणित हो गयी है। नियंत्रण और अनुशासन के बिना राजनीतिक शुचिता एवं आदर्श राजनीतिक मूल्यों की कल्पना नहीं की जा सकती।

सेना के शौर्य पर सम्मान की बजाय अपमान के बिगड़े बोल को लेकर राजनीतिक घमासान छिड़ जाना स्वाभाविक है। कर्नल सोफिया और विंग कमांडर ब्योमिका सिंह के संबंध में क्रमशः मंत्री विजय शाह और सपा महासचिव राम गोपाल यादव द्वारा की गई टिप्पणियों पर राजनीतिक विवाद और कानूनी कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। बड़ा प्रश्न है कि क्या धर्म और जाति के नाम पर वोट के लिए सेना और सेना से जुड़ी बेटियों के सम्मान को चोट पहुंचाई जाना उचित है? चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष वाणी का संयम अपेक्षित है। भारतीय राजनीति में बिगड़े बोल, असंयमित भाषा एवं कड़ावपन की मानसिकता चिन्ताजनक है। ऐसा लगता है ऊपर से नीचे तक सड़कछाप भाषा ने अपनी बड़ी जगह बना ली है। यह ऐसा समय है जब शब्द सहमे हुए हैं, क्योंकि उनके दुरूपयोग की घटनाएं लगातार जारी हैं।

जब देश पहलगाम की त्रासद घटना एवं उसके बाद पाकिस्तान से बदला लेने की शौर्य की महत्वपूर्ण घटना के मोड़ पर खड़ा है, तब कुछ नेताओं के बिगड़े बोल बहुत दुखद और निंदनीय हैं। मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार के एक मंत्री विजय शाह एवं समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव के खिलाफ गुस्सा बढ़ता जा रहा है। विजय शाह को राज्य मंत्रिमंडल से हटाने की मांग तेज हो गई है। कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ विजय शाह की विवादास्पद टिप्पणी एक ऐसा दाग है, जिसे आसानी से नजरंदाज नहीं किया जा सकता। यह मामला सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा और मामला भी दर्ज हो गया, तो आश्चर्य नहीं। देश के नेताओं व मंत्रियों को ऐसी हल्की और स्तरहीन बातों से परहेज करना चाहिए।

नफरती सोच एवं हेट स्पीच का बाजार बहुत गर्म है। राजनीति की सोच ही दूषित एवं घृणित हो गयी है। नियंत्रण और अनुशासन के बिना राजनीतिक शुचिता एवं आदर्श राजनीतिक मूल्यों की कल्पना नहीं की जा सकती। नीतिगत नियंत्रण या अनुशासन लाने के लिए आवश्यक है सर्वोपरि राजनीतिक स्तर पर आदर्श स्थिति हो, अनुशासन एवं संयम हो, तो नियंत्रण सभी स्तर पर स्वयं रहेगा और इसी से देश एक आदर्श लोकतंत्र को स्थापित करने में सक्षम हो सकेगा। युद्ध जैसे माहौल में सेना एवं उसके नायकों का मनोबल बढ़ाने की बजाय उनके साहस एवं पराक्रम पर छींटाकशी करना दुर्भाग्यपूर्ण है। चर्चा में बने रहने के लिए ही सही, राजनेताओं के विवादित बयान गाहे-बगाहे सामने आ ही जाते हैं, लेकिन ऐसे बयान एक ऐसा परिवेश निर्मित करते हैं जिससे राजनेताओं एवं राजनीति के लिये घृणा पनपती है। यह सही है कि शब्द आवाज नहीं करते,

पर इनके घाव बहुत गहरे होते हैं और इनका असर भी दूर तक पहुंचता है और देर तक रहता है। इस बात को राजनेता भी अच्छी तरह जानते हैं इसके बावजूद जुबान से जहरीले बोल सामने आते ही रहते हैं।

यह चिंताजनक है कि इधर के वर्षों में कुछ भी बयान दे देने की बुरी आदत बढ़ रही है। बिगड़े बोल वाले नेता बेलगाम हो रहे हैं। कोई दो राय नहीं कि पहले राजनीतिक दलों और उसके बाद सरकारों को इस मोर्चे पर अनुशासन एवं वाणी संयम का बांध बांधना चाहिए। विजय शाह करीब आठ बार चुनाव जीत चुके हैं, मतलब, अनुभवी नेता हैं, तो क्या वह चर्चा में रहने के लिए बिगड़े बोल का सहारा लेते हैं? सर्वोच्च न्यायालय में खिंचाई के बाद अब वह सफाई देने में लगे हैं। उन्होंने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा है कि उनकी टिप्पणियों को संदर्भ से बाहर ले जाया गया और उनका मकसद कर्नल कुरैशी की बहादुरी की प्रशंसा करना था। उन्होंने यह भी कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी मेरी सगी बहन से भी बढ़कर हैं। वह माफी भी मांग रहे हैं, तो साफ है कि उनका पद खतरे में है। अगर वह पहले ही सावधानी बरतते या गलती होते ही माफी मांग लेते, तो मामला इतना नहीं बढ़ता। विजय शाह का मामला थमा भी नहीं है कि मध्य प्रदेश के ही उप- मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने भी बिगड़े बोल को अंजाम दे दिया है। उनका मानना है कि देश की सेना प्रधानमंत्री के सामने नतमस्तक है। वास्तव में, ऐसी गलतबयानी से किसी के भी सम्मान में वृद्धि नहीं होती है। देश अभी-अभी एक संघर्ष से निकला है। यह एकजुटता और परस्पर समन्वय बढ़ाने के लिए संभलकर बोलने का समय है। राष्ट्रीय एकता एवं राजनीतिक ताने-बाने को ध्वस्त कर रहे जहरीले बोल की समस्या दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है।

संकीर्णता एवं राजनीति का उन्माद एवं 'हेट स्पीच' के कारण न केवल विकास बाधित हो रहा है, सेना का मनोबल प्रभावित हो रहा है, बल्कि देश की एकता एवं अखण्डता भी खण्ड-खण्ड होने के कगार पर पहुंच गयी है। राजनेताओं के नफरती, उन्मादी, द्वेषमूलक और भड़काऊ बोलों को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने भी कड़ी टिप्पणियां की है। भाषा की मर्यादा सभी स्तर पर होनी चाहिए। कई बार आवेश में या अपनी बात कहने के चक्कर में शब्दों के चयन के स्तर पर कमी हो जाती है और इसका घातक परिणाम होता है। मुद्दों, मामलों और समस्याओं पर बात करने की बजाय जब नेता एक-दूसरे पर निजी हमले करने लगें तो यह उनकी हताशा, निराशा और कुंठा का ही परिचायक होता है। यह आज के अनेक नेताओं की आदत सी बन गई है कि एक गलती या झूठ छिपाने के लिए वे गलतियों और झूठ का अंबार लगा देते हैं। क्या यह सत्ता का अहंकार एवं नशा है? संसद में गलती एक बार अटल बिहारी वाजपेयी से भी हुई थी, उन्होंने तत्काल सुधार करते हुए कहा था कि चमड़े की जुबान है, फिसल जाती है। बेशक, अच्छा नेता वही होता है, जो गलतियां नहीं करता और अगर गलती हो जाए, तो तत्काल सुधारता है।

जिम्मेदार पदों पर बैठे नेताओं को हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि उनके अच्छे-बुरे बोल व गलत-सही कारनामे इतिहास में दर्ज हो रहे हैं। ध्यान रखना होगा, पहले केवल शब्द वायरल होते हैं, पर अब शब्द के साथ वीडियो भी वायरल होता है। ध्यान रहे, समय के साथ मीडिया का बहुत विस्तार हुआ है और उसका एक बड़ा हिस्सा ऐसी ही गलतबयानी का भूखा है। उसे ऐसे ही बिगड़े बोल वाले कंटेंट की तलाश है। अतः कम से कम देश के जिम्मेदार दलों के नेताओं को कोई भी राष्ट्र-विरोधी अप्रिय या प्रतिकूल ध्वनि नहीं पैदा करनी चाहिए। अनेक राजनीतिक दलों के नेता ऐसे वक्तव्य देते हैं और विवाद बढ़ता देख बाद में सफाई देने से भी नहीं चूकते। वोट के लिए धर्म, सम्प्रदाय, जाति, समाज किसी को भी नहीं छोड़ा जा रहा। पार्टी कोई सी भी हो, नेता अपने विरोधियों के खिलाफ जहर उगलने से नहीं चूकते लेकिन सेना नायकों पर टिप्पणियां बहुत ही घातक है।

नेता चाहे सत्ता पक्ष से जुड़े हों या प्रतिपक्ष से, अक्सर वाणी असंयम एवं बिगड़े बोल में हदें पार कर देते हैं। सुप्रीम कोर्ट के समय-समय पर दिए गए निर्देशों की भी इन्हें परवाह नहीं है। पूरे विश्व में आज जब हिंदुस्तान का डंका बज रहा है, तो देश के भीतर और देश के बाहर बैठी 'भारत विरोधी शक्तियां' एकजुट होकर राष्ट्रीय एकता एवं लोकतांत्रित मूल्यों के ताने-बाने को क्षत-विक्षित करना चाहती है। ऐसी शक्तियां किसी भी तरह भारत से विकास का एक कालखंड छीन लेना चाहती हैं। उन्हें नेताओं के बिगड़े बोलों से ऊर्जा मिलती है। सोचने की बात तो यह है कि राजनीतिक भावनाओं एवं नफरती सोच को प्रश्रय देने वाले नेताओं का भविष्य भी खतरे से खाली नहीं हैं। उनका भविष्य कालिमापूर्ण है। उनकी नफरती कोशिशों पर देश एवं दुनिया की नजरे टिकी हैं। वे क्या बोलते हैं, क्या सोचते हैं, इसी से भारतीय लोकतंत्र की गरिमा दुनिया में बढ़ सकती है। जरूरत है कि हमारे राजनीति दल अपनी सोच को परिपक्व बनाये, मतभेदों को स्वीकारते हुए मनभेद को न पनपने दे।

राजनीतिक सिस्टम की रोग मुक्ति, स्वस्थ समाज एवं राष्ट्र का आधार होगा। राष्ट्रीय चरित्र एवं राजनीतिक चरित्र निर्माण के लिए नेताओं एवं उनके दलों को आचार संहिता से बांधना ही होगा। अब तो ऐसा भी महसूस होने लगा है कि देश की दंड व्यवस्था के तहत जहां 'हेट स्पीच' या बिगड़े बोल को नये सिरे से परिभाषित करने की आवश्यकता है वहीं इस समस्या से निपटने के लिए 'हेट स्पीच' एवं बिगड़े बोल को अलग अपराध की श्रेणी में रखने के लिए कानून में संशोधन का भी वक्त आ गया है?लेखक, पत्रकार, स्तंभकार (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जड़ से डायबिटीज का इलाज करेगा मंदिर

लाखों मरीजों का शुगर लेवल भी हुआ कम, वैज्ञानिक हैरान?

(सपना सिंह)

डायबीटीज आज के समय में औरत से लेकर पुरुषों तक एक आम समस्या बन गई है, और अगर ये बढ़ जाए तो इंसान के शरीर को अंदर से खोखला बना देती है। हड्डियों से लेकर नसों तक हर जगह से तोड़ देती है। आप चाहे कितना भी इलाज करवालें लेकिन जिंदगीभर की दवाई आपका पीछा नहीं छोड़ती। लेकिन वो कहते हैं ना, अगर किसी चीज पर विश्वास रखों तो दवा क्या ऊपर वाला भी आपके हर दुख को दूर कर देता है।

भारत में वैसे तो कई मंदिर आपने सुने होंगे जो इच्छा पूर्ती से लेकर बीमारियों को ठीक करने की बात करते हैं, लेकिन शायद डायबीटीज को जड़ से खत्म करने वाला मंदिर कभी नहीं सुना होगा। तमिलनाडु के तिरुवरूर के पास स्थित वेन्नी करुंबेश्वरर मंदिर स्थित है, जो लाखों लोगों की शुगर की समस्या को ठीक करने के लिए जाना जाता है। इन्फ्लुएंसर के मुताबिक, यहां लाखों लोगों की डायबीटीज ठीक हुई है, अगर आप यहां जाना चाहते हैं, तो पहले जान लें इस मंदिर के बारे में।

क्या है डायबीटीज वाले मंदिर को लेकर कहना– ?द टेम्पल गर्ल से फेमस इन्फ्लुएंसर का कहना है, अगर आप डायबिटीज से परेशान हैं, तो तमिलनाडु के इस मंदिर में जरूर जाएं। ये मंदिर तिरुवरूर के पास स्थित वेन्नी करुंबेश्वरर मंदिर के नाम से जाना जाता है। यहां का शिवलिंग गन्ने की बंधी हुई लकड़ियों से बना हुआ है और भगवान को 'करुंबेश्वरर' यानी गन्ने के भगवान के नाम से जाना जाता है।

डायबिटीज से जूझ रहे लोग भगवान के चरणों में चीनी चढ़ाते हैं और भगवान से सिर्फ एक ही प्रार्थना करते हैं कि उन्हें शुगर से राहत मिले। लाखों भक्तों का कहना है कि इस मंदिर में दर्शन करने के बाद उनका ब्लड शुगर लेवल कम हुआ है, तो कुछ का कहना है दवाइयों की मात्रा घटी है और कुछ मामलों में तो पूरी तरह ठीक भी हो गया है। मतलब विश्वास रखो तो आप अपनी बीमारी तक ठीक कर सकते हैं।

चींटिया करती हैं शुगर कम – सोशल मिडिया पर मिली एक और पोस्ट के मुताबिक, डायबिटीज आजकल की बड़ी बीमारियों में से एक है। कहा जाता है कि भगवान शिव को रवा और चीनी का एक खास भोग चढ़ाया जाता है जिससे डायबिटीज के असर को कम किया जा सके। इस मिश्रण को मंदिर के आस-पास बिखेर दिया जाता है ताकि चींटियां इसे खा सकें। मान्यता है कि जैसे-जैसे चींटियां चीनी को खाती हैं, वैसे-वैसे हमारी शरीर का शुगर लेवल भी कम होता है।

वैज्ञानिक भी हैं हैरान– भारत का ये एक ऐसा अनोखा मंदिर है जो डायबिटीज जैसी बीमारी को ठीक करता है। ये मंदिर तमिलनाडु के अम्मापेट्टी गांव में स्थित है। इस मंदिर में 5000 साल पुराना शिवलिंग है, और कहा जाता है कि इसे खुद भगवान श्रीकृष्ण ने स्थापित किया था। इसी कारण लोगों को विश्वास है कि इस मंदिर में चमत्कारी शक्ति है।

यहां सिर्फ भारत से ही नहीं, बल्कि विदेशों से भी लोग आते हैं और अपनी डायबिटीज से छुटकारा पाते हैं। मंदिर के इस चमत्कार पर वैज्ञानिकों ने भी रिसर्च की है। उन्होंने टेस्ट और ठीक हुए लोगों की जानकारी लेकर ये साबित किया है कि यहां सच में कुछ अनोखा है। इस चमत्कार को देखकर वैज्ञानिक भी हैरान हैं।

चींटियों से डॉक्टर और मुगल दोनों हुए थे हैरान – ऐसा कहा जाता डॉक्टर खुद इस बात की जांच करने यहां पहुंचेज और वो भी हैरान रह गए जब उन्होंने देखा कि चींटियों के चीनी चखने के बाद जिस व्यक्ति को डायबिटीज है, उसकी बॉडी में शुगर लेवल कम हो गया। सिर्फ इतना ही नहीं, डॉक्टरों ने भी माना कि ये चमत्कार सच है, क्योंकि शुगर में वाकई में कमी आई थी। इस मंदिर की चींटियों को 'भगवान की चींटियां' कहा जाता है। मान्यता है कि जब मुगल शासक इस मंदिर पर हमला करने आए थे, तब इन्हीं चींटियों ने मंदिर की रक्षा की थी।

मंदिर में दर्शन का समय और कैसे पहुंचे – मंदिर के दर्शन का समय सुबह 8.00 से दोपहर 12.00 बजे तक और शाम 5.00 से रात 8.00 बजे तक है। ये जगह तिरुवरूर से लगभग 36 किमी और तंजावुर से करीबन 26 किमी दूर है।

हवाई मार्ग- पास का हवाई अड्डा त्रिची अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है, जो मंदिर से करीबन 90 किमी दूर है। हवाई अड्डे से आप टैक्सी या बस के जरिए तिरुवरूर या सीधे कोइल वेन्नी पहुंच सकते हैं।

रेल मार्ग- पास का रेलवे स्टेशन तिरुवरूर जंक्शन है, जो मंदिर से लगभग 23 किमी दूर है। तिरुवरूर से आप टैक्सी या स्थानीय बस के माध्यम से मंदिर तक पहुंच सकते हैं।

सड़क मार्ग- तिरुवरूर, तंजावुर, कुंभकोणम और मन्नारगुडी जैसे शहरों से कोइल वेन्नी के लिए नियमित बस सेवाएं उपलब्ध हैं। अगर आप निजी वाहन से यात्रा कर रहे हैं, तो तंजावुर से अम्मापेट्टई होते हुए कोइल वेन्नी तक पहुंच सकते हैं। अम्मापेट्टई से कोइल वेन्नी बस स्टॉप पर उतरने के बाद, मंदिर तक पहुंचने के लिए लगभग 2 किमी की दूरी तय करनी होगी। इस लेख में बताई गई किसी भी जानकारी/सामग्री में निहित सटीकता या विश्वसनीयता की गारंटी नहीं है। हमारा उद्देश्य महज सूचना पहुंचाना है।

वर्ग पहेली 5745

1	2	■	3	4	5		6
7		■	8			■	
	■	9			■	10	
11	12	■		■	13		
14		15	■	16			■
■	17				■	18	19
20	■		■	21	22	■	
23				■	24		

संकेत: बाएं से दाएं

1. अफ्रीका का यह देश एक प्रजातंत्र राज्य है जिसे 1 जुलाई 1960 को गणराज्य घोषित किया गया (2)
3. जम्मू-कश्मीर में 4054 मीटर की ऊंचाई पर स्थित हिंदुओं का तीर्थ स्थल (5)
7. ऐसा वाद्य जिसमें तार लगे हो, वही, वह, उस, उसी (2)
8. सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर की जन्मस्थली मध्यप्रदेश के इस अंचल में स्थित है (3)
9. मन की कल्पना, विचार, ख्याल (3)
10. पुराणानुसार एक दैत्य का नाम जिसे श्रीकृष्ण ने अपनी बाल्यावस्था में मारा था, बगला नामक पक्षी (2)
11. फन, हुनर (2)
13. बुहारना, पोछना, चलता करना (3)
14. सिख संप्रदाय के आदि गुरू (3)
16. लहर, उमंग, तरंग, झूमने का भाव (3)
17. उत्पात, उपद्रव, खलबली (4)
18. इंसाफ, फैसला (2)
21. मध्यप्रदेश का एक प्रसिद्ध रेलवे जंक्शन, प्रसिद्ध अभिनेता प्रदीप कुमार की अभिनेत्री बेटी (2)
23. चप्पू (4)
24. कलिंद पर्वत से निकलने के कारण यमुना नदी का एक नाम (3)

ऊपर से नीचे(2)

1. हमला करने का अवसर देखना (5)
2. हजरत मुहम्मद की छंदोबद्ध स्तुति (2)
3. कृष्ण पक्ष की अंतिम तिथि (4)
4. रगड़ना, घिसना (3)
5. अत्यंत महीन कण, सूजी (2)
6. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना (4)
10. दूल्हा-दुल्हन को यह भी कहा जाता है (4)
12. तिरस्कारपूर्ण बात, भर्त्सना, धिक्कार (3)
13. गाए जाने वाले वेदमंत्र (2)
15. शास्त्रीय संगीत में एक ताल (4)
16. छिछली गोल तथा छोटी थाली (3)
19. हरजत मूसा के धर्म का अनुयायी (3)
20. स्वयं, स्वतः, खुद (2)
22. किसी नगर या कस्बे में प्रवेश द्वार (2)

वर्ग पहेली 5744 का हल

उ	त्त	र	प्र	दे	श	■	वा
प	■	म	जा	■	म	द	न
न	■	क	■	द	शा	■	र
य	मु	ना	■	ल	द	ना	■
न	■	■	लू	■	बे	टा	■
सं	ता	न	■	सा	ग	■	ब
स्का	■	म	र	ह	म	■	हु
र	ह	न	■	स	■	भा	त

अपने विचारों को देखकर ही आप उनके मालिक बनेंगे

(सुंदरचंद ठाकुर)

मनुष्य अपने विचारों को अपना मान बैठता है। उसे लगता है कि जो उसके मन में चल रहा है, वह उसकी अपनी स्वतंत्र सोच है। लेकिन यह भ्रम जितना गहरा है, उससे बाहर आना उतना ही मुक्तिदायक। असल में हम में से ज़्यादातर लोग अपने विचारों के नहीं, बल्कि विचार हमारे मालिक बने हुए हैं। वे हमें चलाते हैं, दिशा देते हैं, दुःख देते हैं, भ्रमित करते हैं - और हम उनकी उँगलियों की कठपुतली बनकर रह जाते हैं।

अगर हम ईमानदारी से भीतर झाँकें तो पाएँगे कि हम जो सोचते हैं, उसका बड़ा हिस्सा हमने नहीं चुना। वह हमें मिला है - हमारे बचपन के अनुभवों से, हमारे माता-पिता की भाषा से, शिक्षकों की अपेक्षाओं से, समाज की परछाइयों से, और उन घटनाओं से जो हमारी समझ के परे घटित हुईं। धीरे-धीरे ये सब हमारे भीतर एक संरचना बना देते हैं, एक आंतरिक संसार - जिसे हम अपना मान बैठते हैं। पर क्या यह सचमुच 'हमारा' है?

विचार जब तक देखे नहीं जाते, तब तक वे सच की तरह व्यवहार करते हैं। वे आदेश देते हैं 'तुम कमजोर हो', 'तुम असफल हो जाओगे', 'तुम्हें डरना चाहिए', 'तुम्हें गुस्सा करना चाहिए', 'तुम्हें अब तक वहाँ पहुँचना चाहिए था जहाँ फलाँ व्यक्ति पहुँच गया है'। और हम, इन विचारों को बिना चुनौती दिए, उनका अनुसरण करते हैं। दुख की बात यह नहीं कि हम ऐसा करते हैं - दुख की बात यह है कि हमें यह भी नहीं पता होता कि हम कर क्या रहे हैं।

पर जैसे ही हम ठहरते हैं, चुप होते हैं, और अपने भीतर उठने वाली आवाज़ों को केवल 'सुनने' का प्रयास करते हैं – कुछ बदलने लगता है। हम देख पाते हैं कि एक विचार आया, उसने एक प्रतिक्रिया पैदा की, और हमने बिना देखे उस पर अमल कर दिया। लेकिन अगर हम उस क्षण ङ्क जहाँ विचार और प्रतिक्रिया के बीच की दरार होती है ङ्क उसे पहचान लें, तो वही दरार हमें गुलामी से स्वतंत्रता की ओर ले जाती है।

विचार बुरे नहीं होते। वे आवश्यक हैं ङ्क निर्णय के लिए, सृजन के लिए, योजना बनाने के लिए। लेकिन जब विचार स्वयं ही बिना पूछे चलने लगें, और हम उन्हें देख तक न सकें, तो वही विचार धीरे-धीरे एक भीतर का शोर बन जाते हैं - जो हमें थकाता है, भ्रमित करता है और कभी चैन से जीने नहीं देता। इसलिए पहला अभ्यास यह नहीं है कि हम अपने विचार बदलें। पहला अभ्यास है - उन्हें देखना। बिना हस्तक्षेप के, बिना उन्हें अच्छा या बुरा कहे, बस देखना। जैसे किसी नदी को किनारे बैठकर देखा जाता है - बस बहने देना। जैसे आकाश में बदलते बादलों को देखा जाता है - बस उठते-गिरते जाना।

इस देखने में धीरे-धीरे एक दूरी बनती है - विचार और 'मैं' के बीच। और यहीं से जन्म लेती है वास्तविक स्वतंत्रता। अब विचार आते हैं, पर वे आपको खींच नहीं पाते। वे कहते हैं 'तुम कमजोर हो', और भीतर से एक मुस्कान आती है 'यह एक पुरानी स्क्रिप्ट है।'

वे कहते हैं 'डरो', और आप देखते हैं - 'हाँ, डर उठ रहा है, पर मैं डर नहीं हूँ।'

यह कतई आसान नहीं है, लेकिन यह मार्ग स्थायी है। ऐसा असंभव भी नहं है। यह याद रहे बस कि जो व्यक्ति अपने विचारों को देखना सीख जाता है, वह अपने दुःख को समझना शुरू करता है। और जो दुःख को देख लेता है, वह उससे परे उठने लगता है। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं

आज का राशिफल

मेष

आज दिन पेशेवर दृष्टिकोण से मध्यम रहेगा और आपके लिए धन लाभ के योग बने हैं। आपने जो नेटवर्क और सामाजिक संबंध बनाए हैं, वे आपके करियर में सकारात्मक भूमिका निभाएंगे। दोपहर तक आर्थिक दबाव कुछ हद तक कम होगा, लेकिन कार्यक्षेत्र में मानसिक तनाव बना रह सकता है।

वृष

आज दिन धन के लिहाज से आपके पक्ष में रहेगा। पुराने निवेश से लाभ प्राप्त हो सकता है और कारोबार विस्तार के नए अवसर भी सामने आएंगे। यदि आप साझेदारी में व्यापार कर रहे हैं, तो त्रिपक्षीय समझौते का प्रस्ताव लाभदायक रहेगा, बशर्ते सभी शर्तें स्पष्ट हों। नौकरीपेशा लोगों को बॉस से सराहना मिलेगी, जिससे प्रमोशन की संभावना बन रही है।

मिथुन

आज करियर में लाभ होगा। आपकी बुद्धिमता और वाणी आपके सबसे बड़े हथियार होंगे। कोई ऐसा कार्य आपको करना पड़ सकता है जो दूसरों को असुविधाजनक लगें, लेकिन इससे आपको करियर में पहचान मिल सकती है। कार्यस्थल पर कुछ नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं।

कर्क

आज दिन परेशानियों से भरा हो सकता है। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ सकता है। ऑफिस या व्यापारिक गतिविधियों में मन नहीं लगेगा। नौकरीपेशा लोग वर्कलोड से घबराएंगे और काम की गति धीमी रहेगी। व्यापार में अटका हुआ पेमेंट भी फंसा रह सकता है।

सिंह

आज लाभ का दिन है और करियर में स्थिरता का अनुभव होगा। वरिष्ठ अधिकारियों से मेल-मुलाकात या उनकी सिफारिश से आपके लिए तरक्की के नए रास्ते खुल सकते हैं। कारोबारी वर्ग के लिए सरकारी योजनाओं से लाभ मिलने की संभावना है। धन आगमन की स्थिति बेहतर रहेगी, लेकिन साथ ही अनावश्यक खर्चों से बचना होगा। अगर

कन्या

आज हर काम बहुत सोचकर करने की सलाह है। करियर में आप कुछ ऐसे लोगों से घिर सकते हैं जो आपकी सफलता से ईर्ष्या रखते हैं। इसलिए चापलूसों से सतर्क रहें। कामकाजी जीवन में कुछ तनाव रहेगा लेकिन आप अपनी योजनाओं को आगे बढ़ाने में सफल रहेंगे। पैसों को लेकर कोई बड़ा

तुला

आज करियर में निर्णायक पल आ सकता है। किसी इंटरव्यू, मीटिंग या कॉन्ट्रैक्ट साइन करने का अवसर मिलेगा, जिसमें आपको सफलता मिल सकती है। आर्थिक दृष्टिकोण से दिन अच्छा है, कोई रुका हुआ भुगतान मिलने की संभावना है। नौकरी में परिवर्तन की सोच रहे लोगों के लिए विचार करने का अच्छा समय है।

वृश्चिक

आज जीवन सफलता से भरा होगा। आपको कार्यक्षेत्र में कुछ ऐसे निर्णय लेने पड़ सकते हैं जिनका असर भविष्य में स्पष्ट होगा। किसी करीबी सहकर्मी से धोखा मिलने की संभावना है, इसलिए गोपनीय बातों को साझा करने से बचें। व्यापार में अचानक आए उतार-चढ़ाव आपकी योजना को प्रभावित कर सकते हैं।

धनु

आज भाग?य साथ दे रहा है। कार्यक्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से चली आ रही परेशानियां धीरे-धीरे समाप्त होने लगेंगी। किसी पुराने क्लाइंट से फिर से संपर्क स्थापित हो सकता है। नौकरीपेशा जातकों को अपने बॉस से असंतोषजनक प्रतिक्रिया मिल सकती है, लेकिन धैर्य से काम लें। आर्थिक रूप से कुछ हद तक सुधार दिखेगा।

मकर

आज करियर में लाभ का दिन है। घर के जरूरी कामों में अधिक समय लग सकता है, लेकिन करियर को लेकर भी आपको सजग रहना चाहिए। यदि आप लीगल या डॉक्यूमेंटेशन से जुड़े हैं तो किसी पेपर पर हस्ताक्षर करने से पहले पूरा विवरण पढ़ना जरूरी होगा।

कुंभ

आज किसी खुशखबरी के आने की पूरी संभावना है। शायद कोई इंटरव्यू कॉल या नया बिजनस प्रपोज़ल। छोटी यात्रा से आपको नए कॉन्टैक्ट्स मिल सकते हैं, जो करियर और बिजनस दोनों के लिए लाभदायक रहेंगे। अगर आप सेल्स या मार्केटिंग में हैं तो बड़ी डील हो सकती है।

मीन

आज दिन थोड़ा सा उलझन भरा साबित हो सकता है। सुबह थोड़ी सुस्ती या मानसिक उलझन रह सकती है, लेकिन जैसे-जैसे दिन बढ़ेगा आप बेहतर महसूस करेंगे। ऑफिस में किसी प्रेजेंटेशन या एनालिसिस से जुड़ा काम आपकी प्रतिभा को उजागर करेगा।

संक्षिप्त समाचार

जमीन खरीद-बिक्री के 117 साल पुराने नियम होंगे खत्म, ऑनलाइन रजिस्ट्री की तैयारी

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने संपत्ति के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन को अनिवार्य बनाने और दस्तावेजों के डिजिटल संरक्षण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण विधेयक का मसौदा तैयार किया है। यह प्रस्तावित कानून 117 साल पुराने रजिस्ट्रेशन अधिनियम की जगह लेगा। ग्रामीण विकास मंत्रालय के अंतर्गत भूमि संसाधन विभाग ने इस मसौदे को जनता की राय के लिए जारी किया है। वर्तमान रजिस्ट्रेशन अधिनियम देशभर में लागू है, लेकिन राज्य सरकारों को इसमें संशोधन करने का अधिकार है। इसके लिए हालांकि केंद्र से परामर्श जरूरी है। कई राज्यों ने पहले ही कानून में संशोधन कर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की अनुमति दी है। इसी को ध्यान में रखते हुए केंद्र ने एक व्यापक कानून लाने का निर्णय लिया है, जो पूरे देश में समान रूप से लागू हो सके। मसौदा विधेयक के तहत अब एग्रीमेंट टू सेल, पावर ऑफ अटॉर्नी, सेल सर्टिफिकेट और इक्विटेबल मॉर्गेज जैसे दस्तावेजों का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य कर दिया जाएगा। सरकार ने आधार आधारित सत्यापन प्रणाली को भी प्रस्तावित किया है, जिसमें नागरिकों की सहमति आवश्यक होगी। जो लोग आधार नंबर साझा नहीं करना चाहते उनके लिए वैकल्पिक सत्यापन की व्यवस्था भी की जाएगी। यह कदम धोखाधड़ी और फर्जीवाड़ा कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है। साथ ही, सरकार इलेक्ट्रॉनिक रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र और रिकॉर्ड के डिजिटल रख रखाव की भी अनुमति देने जा रही है। अब दस्तावेजों की ई-प्रस्तुति और रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से संभव होगी। भूमि संसाधन विभाग ने एक बयान में कहा, हाल के वर्षों में तकनीक का बढ़ता उपयोग, बदलते सामाजिक-आर्थिक व्यवहार और पंजीकृत दस्तावेजों पर बढ़ती निर्भरता ने एक आधुनिक और भविष्य उन्मुख रजिस्ट्रेशन प्रणाली की आवश्यकता को रेखांकित किया है। विभाग ने इस मसौदे पर आम जनता से भी राय मांगी है।

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ कुवैत गए गुलाम नबी आजाद की बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में भर्ती

नईदिल्ली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मंगलवार को भारतीय सांसदों के सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के कुवैत दौरे के दौरान उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। बीजेपी सांसद बिजयंत जय पांडा ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आजाद फिलहाल चिकित्सकीय निगरानी में हैं। पांडा इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा, हमारी प्रतिनिधिमंडल की यात्रा के बीच गुलाम नबी आजाद को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। उनकी हालत स्थिर है। वह मेडिकल निगरानी में हैं और उनकी जांच होनी है। बिजयंत पांडा ने कहा कि बहरीन और कुवैत में हुई बैठकों में गुलाम नबी आजाद का योगदान अत्यंत प्रभावशाली रहा। वह बिस्तर पर होने के कारण निराश हैं। उन्होंने आगे कहा, हमें सऊदी अरब और अल्जीरिया में उनकी अनुपस्थिति बहुत खलेगी। पांडा मंगलवार को प्रतिनिधिमंडल के साथ सऊदी की राजधानी पहुंचे। इस यात्रा के दौरान प्रतिनिधिमंडल विभिन्न राजनीतिक हस्तियों, सरकारी अधिकारियों, विचारकों और भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ बातचीत करेगा। भारत मुस्लिम बहुल देशों को यह बात समझाने की कोशिश कर रहा है कि सिर्फ इसलिए कि पाकिस्तान एक मुस्लिम बहुल देश है, उसे भारत के खिलाफ उसके कृत्यों के लिए दोषमुक्त नहीं किया सकता। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल पश्चिम एशिया के देशों में प्रमुख सरकारी और राजनीतिक हस्तियों के साथ बातचीत कर रहा है। साथ ही, विमर्श को आकार देने के लिए भारतीय प्रवासियों से जुड़ने का भी ठोस प्रयास जारी है।

नड्डा टटोलेंगे संगठन की नब्ज! 31 मई को आएंगे जयपुर,कुछ यूं रहेगा कार्यक्रम

जयपुर, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 31 मई को जयपुर के एक दिवसीय दौरे पर आ रहे हैं। हालांकि, यह दौरा महज एक महिला केंद्रित कार्यक्रम में शिरकत तक सीमित नही रहने वाला है। सूत्रों के अनुसार, नड्डा प्रदेश संगठन की स्थिति को भी परख सकते हैं और इसके लिए एक अहम अनौपचारिक बैठक आयोजित की जा सकती है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि नड्डा दोपहर बाद प्रदेश भाजपा कार्यालय में वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों के साथ बैठक कर सकते हैं। इस बैठक में प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया सहित अन्य प्रमुख चेहरे मौजूद रह सकते हैं। प्रदेश कार्यालय में तैयारियां तेज कर दी गई हैं, हालांकि अभी तक भाजपा की ओर से बैठक का कोई आधिकारिक कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है। माना जा रहा है कि यह बैठक संगठनात्मक दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण हो सकती है। नड्डा आगामी महीनों में चलाए जाने वाले विभिन्न संगठनात्मक अभियानों की रूपरेखा पर चर्चा कर सकते हैं। इसके साथ ही प्रदेश भाजपा की नई कार्यकारिणी को लेकर प्रारंभिक चर्चा की भी संभावना जताई जा रही है। पार्टी के भीतर से फीडबैक लिया जाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद फिर कैंपों में लौटने लगे आतंकी, पीओके में हुए ऐक्टिव, बीएसएफ अलर्ट

जम्मू, एजेंसी। सीमा सुरक्षा बल ने मंगलवार को बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में स्थित आतंकी लॉन्चपैड्स और ट्रेनिंग कैंपों में आतंकियों की फिर से वापसी हो रही है। बीएसएफ के इंस्पेक्टर जनरल (आईजी) शशांक आनंद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि एलओसी और अंतरराष्ट्रीय सीमा दोनों से आतंकियों की घुसपैठ की संभावनाओं के इनपुट मिल रहे हैं, जिनसे सतर्क रहना बेहद जरूरी है।

घुसपैठ की कोई तय तारीख नहीं, लेकिन तैयारी जोरों पर : आईजी शशांक आनंद ने कहा, फिलहाल हमारे पास किसी खास दिन की जानकारी नहीं है जब आतंकी घुसपैठ की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन हमें लगातार सूचना मिल रही है कि आतंकी संगठन एक्टिव हैं। वे फिर से अपने कैंपों में लौटे हैं, ट्रेनिंग ले रहे हैं, और ऐसे रास्तों से घुसपैठ की कोशिश करेंगे जहां उन्हें सुरक्षा में ढील महसूस होगी। उन्होंने आगे कहा कि जम्मू और कश्मीर दोनों क्षेत्रों में एलओसी और आईबी पर खुफिया एजेंसियों से लगातार इनपुट मिल रहे हैं, इसलिए हर इलाके में सुरक्षा बलों को अलर्ट मोड में रहना होगा।

100 से ज्यादा आतंकियों का सफाया, ऑपरेशन सिंदूर की सटीक स्ट्राइक : भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पीओके और पाकिस्तान में मौजूद 100 से अधिक आतंकियों को मार गिराया गया। इसके अलावा पाकिस्तानी ड्रोन हमलों की कोशिशों को भी नाकाम किया गया। 13 मई को ऑपरेशन केलर के तहत चार लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों को मार गिराया गया और उनके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया।

ड्रोन हमले में तीन जवान शहीद, पोस्ट को मिलेगी वीरता की पहचान : 10 मई की सुबह पाकिस्तान ने जम्मू के सांबा सेक्टर में बीएसएफ की पोस्ट्स पर ड्रोन के जरिए हमला किया। इस हमले में बीएसएफ के सब-इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज, कांस्टेबल दीपक कुमार और भारतीय सेना के नायक सुनील कुमार शहीद हो गए। आईजी आनंद ने कहा, हम इन शहीदों की बहादुरी को सम्मान देने के लिए दो पोस्ट्स का नामकरण उनके नाम पर करने का प्रस्ताव रख रहे हैं, और एक पोस्ट का नाम 'सिंदूर' रखा जाएगा, जो ऑपरेशन सिंदूर की याद दिलाएगा।

पाकिस्तान की गोलीबारी का माकूल जवाब : उन्होंने यह भी बताया कि 7 मई को जब ऑपरेशन सिंदूर शुरू हुआ था, तब यह आशंका थी कि पाकिस्तान जवाब में फायरिंग करेगा। ब्रस्त्र ने इस आशंका को ध्यान में रखते हुए जम्मू के अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र पर चौकसी बढ़ा दी थी। जब पाकिस्तान ने अकारण गोलीबारी की, तो ब्रस्त्र ने उसका करारा जवाब दिया। उन्होंने बताया, हमारे निगरानी उपकरणों में यह सब रिकॉर्ड हुआ है। हमने पाकिस्तान में मौजूद तीन आतंकी लॉन्चपैड्स को भी निशाना बनाकर नष्ट किया है। यह संदेश स्पष्ट है - भारत किसी भी आतंकी घुसपैठ को बर्दाश्त नहीं करेगा। बीएसएफ के जम्मू फ्रंटियर के महानिरीक्षक (आईजी) शशांक आनंद ने कहा कि खुफिया जानकारी से पुष्टि हुई है कि कई 'लॉन्च पैड' नष्ट हुए हैं तथा सटीक हमलों के दौरान आतंकवादियों और पाकिस्तानी रेंजर्स में से कई की मौत हो गई। आईजी ने कहा, ''चिकन नेक क्षेत्र के सामने लश्कर-ए-तैयबा के लॉन्च पैड को 9-10 मई की रात को एक विशेष हथियार प्रणाली का उपयोग करके नष्ट कर दिया गया।'' उन्होंने कहा, ''हम अब भी अपनी साझेदार एजेंसियों के साथ समन्वय में कुल नुकसान का आकलन कर रहे हैं। तीन लॉन्च पैड और कई चौकियां नष्ट की गईं। पाकिस्तानी रेंजर्स ने (अपने क्षेत्र के) कई गांव खाली करा लिए थे।

'आतंकी लॉन्च पैड' को भी नष्ट किया : बीएसएफ ने बताया कि उसने उन तीन 'आतंकी लॉन्च पैड' को भी नष्ट किया, जहां से आतंकवादियों के घुसपैठ की आशंका थी। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ की यह कार्रवाई पाकिस्तान द्वारा 60 भारतीय चौकियों और 49 अग्रिम रक्षा ठिकानों पर भारी गोलीबारी और बमबारी शुरू करने के बाद हुई, जिसका मकसद कथित तौर पर 40-50 आतंकवादियों को सीमा पार घुसपैठ कराना था। बीएसएफ के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) चित्रपाल सिंह ने यहां संवाददाताओं को बताया, ''पाकिस्तान ने हमारी 60 सीमा चौकियों और 49 अग्रिम रक्षा ठिकानों पर गोलीबारी की। जवाब में हमने उनकी 76 चौकियों और 42 अग्रिम रक्षा ठिकानों पर गोलीबारी की।'' सिंह ने बताया कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) द्वारा सुंदरबनी सेक्टर के पास संचालित एक प्रमुख 'आतंकी लॉन्च पैड' को नष्ट कर दिया गया है। उन्होंने कहा, ''अब उस क्षेत्र से कोई हलचल नहीं देखी गई है।

असिस्टेंट प्रोफेसर पर अश्लीलता और यौन उत्पीड़न का आरोप, गिरफ्तारी के बाद सस्पेंड

मुजफ्फरनगर, एजेंसी। यूपी के मुजफ्फरनगर के चौधरी छोटूराम पीजी कालेज की एक छात्रा ने एक असिस्टेंट प्रोफेसर पर अश्लीलता और यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। इस मामले में कालेज की प्रबंध समिति ने अब असिस्टेंट प्रोफेसर के खिलाफ कार्रवाई का फैसला लिया है। कालेज में प्रबंध समिति की आकस्मिक बैठक बुलाकर आरोपी असिस्टेंट प्रोफेसर दुष्यंत कुमार को निलंबित कर दिया है। प्रोफेसर पुलिस कार्रवाई के बाद से जेल में बंद है। छात्रा ने शनिवार को कालेज के प्लांट पैथोलाजी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर दुष्यंत कुमार पर आरोप लगाया था कि प्रथम वर्ष में असिस्टेंट प्रोफेसर दुष्यंत कुमार ने वाह्य रोग विज्ञान पढ़ाने के दौरान उसके साथ छेड़खानी की थी। तभी से प्रोफेसर उसका यौन शोषण करने के प्रयास में था। व्हाट्सएप पर वीडियो कॉल कर कपड़े उतारने के लिए विवश करता था। बात नहीं मानने पर प्रेक्टिकल में फेल करने की धमकी देता था। छात्रा की पीड़ा सुनकर जाट महासभा के अध्यक्ष धर्मवीर बालियान छात्रा के पक्ष में आए थे, जिसके बाद कालेज में हंगामा होने के बाद छात्रा की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी असिस्टेंट प्रोफेसर को हिरासत में लेकर जेल भेज दिया था। इस मामले में सोमवार को चौधरी छोटू राम पीजी कालेज के प्रबंध समिति की अकस्मिक बैठक हुई। इसमें प्रबंध समिति के सचिव ने बताया कि छात्रा द्वारा असिस्टेंट प्रोफेसर दुष्यंत कुमार पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। पुलिस ने अपनी कार्रवाई उसी दिन कर दी थी। बैठक में प्रबंध समिति ने जांच समिति की रिपोर्ट पर विचार-विमार्श कर निर्णय लिया, जिसके बाद असिस्टेंट प्रोफेसर दुष्यंत कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच के लिए कालेज की आंतरिक शिकायत समिति भी कर रही है। कालेज प्रशासन ने यह निर्णय छात्रों और कालेज की गरिमा और सुरक्षा सर्वोपरि करने की प्रक्रिया में लिया है। सचिव ने बताया कि प्रबंध समिति मामले की निष्पक्ष जांच कराएगी। निलंबित किए जाने की पुष्टि कालेज प्राचार्य डा. केपी मलिक ने भी की है। छात्रा से अश्लील करने के मामले में प्रोफेसर के खिलाफ थाना सिविल लाइन पुलिस ने कोर्ट में छात्रा के बयान दर्ज कराए हैं।

सांप्रदायिक तनाव भड़काने के आरोप में पुलिस ने विहिप नेता को गिरफ्तार किया

मंगलुरु, एजेंसी। मंगलुरु में इस महीने के शुरू में एक हिन्दूवादी नेता की हत्या के बाद भड़काऊ भाषण देने, सांप्रदायिक तनाव भड़काने और सार्वजनिक शांति भंग करने के आरोप में पुलिस ने विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के वरिष्ठ नेता शरण पंपवेल को मंगलवार रात गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि गत एक मई को बाजपे थाना क्षेत्र में विहिप कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या के बाद उनके शव का पोस्टमार्टम ए.जे. अस्पताल के शवगृह में किया गया था। आरोप है कि अस्पताल परिसर के बाहर हिंदू संगठन के नेता शरण पंपवेल ने मीडिया से बातचीत में शेट्टी की हत्या में प्रतिबंधित संगठन पीएफआई और 'जिहादी इस्लामी आतंकवादियों' के शामिल होने का दावा करते हुए भड़काऊ बयान दिया था। उन्होंने दो मई को जिले में बंद का आह्वान भी किया था। पुलिस ने अपनी रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि जब जनता ने बंद का समर्थन नहीं किया तो पंपवेल के बयान से भड़के उनके समर्थकों ने मंगलुरु के विभिन्न हिस्सों में तोड़फोड़ की और जबरन दुकानें एवं व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद करवाने के लिए अशांति पैदा की जिससे सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचा।

संजय राउत के बयान पर महाराष्ट्र सरकार ने जताया कड़ा ऐतराज

महाराष्ट्र के गृहराज्य मंत्री योगेश कदम ने कहा कि ऐसा बयान पूरे देश का अपमान

मुंबई, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर को फेल बताने पर महाराष्ट्र सरकार ने कड़ा ऐतराज जताया है। महाराष्ट्र के गृहराज्य मंत्री योगेश कदम ने कहा कि ऐसा बयान पूरे देश का अपमान है। न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में कदम ने कहा, %ऑपरेशन सिंदूर को फेल बताना गलत है। हमारे देश के जवानों ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों के ठिकानों को नष्ट किया। आज तक पाकिस्तान में किसे ने ऐसी कार्रवाई नहीं की थी। पूरी दुनिया को पता है कि पाकिस्तान आतंकियों का हब है, उस पर हमला करने की हिम्मत भारत ने दिखाई। इसलिए ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाकर आप देश की बदनामी पूरी दुनिया में कर रहे हो। मुझे लगता है कि अगर आप सपोर्ट नहीं कर सकते तो कम से कम चुप बैठना चाहिए। ऐसी मानसिकता को सड़ा हुआ दिमाग ही कहेंगे।

दरअसल, राज्यसभा सांसद संजय राउत ने मंगलवार को ऑपरेशन सिंदूर को फेल बताया था। शिवसेना यूबीटी नेता का यह बयान तब आया जब भारतीय राजनयिक प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर में भेजा गया है। साथ ही, विपक्षी नेता पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहे है। विपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक की भी मांग की है। राउत ने कहा, %ऑपरेशन सिंदूर विफल रहा। हालांकि, राष्ट्रहित में विपक्ष इस पर ज्यादा बात नहीं

करना चाहता। पहलगाम में आतंकवादियों की ओर से 26 निर्दोष लोगों की हत्या के कारण ऑपरेशन सिंदूर शुरू हुआ। हमले के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जिम्मेदार थे और उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। पीएम मोदी को अमित शाह को मंत्रिमंडल से हटा देना चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर में मारे गए 100 से अधिक आतंकी ऑपरेशन सिंदूर भारत की ओर से 6-7 मई की रात शुरू किया गया सैन्य अभियान था। यह 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जवाब था, जिसमें 26 निर्दोष लोग मारे गए। भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में 9 आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले किए, जिनमें लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों के शिविर नष्ट किए गए। इस अभियान में 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए। ऑपरेशन सिंदूर में स्वदेशी हथियारों और तकनीक का उपयोग हुआ, जिसमें नूर खान और रहीमयार खान जैसे पाकिस्तानी एयरबेस को निशाना बनाया गया। पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई की कोशिश की, लेकिन भारत के मजबूत वायु रक्षा तंत्र ने इसे नाकाम कर दिया। इस ऑपरेशन ने पाकिस्तान में दहशत पैदा कर दी।

घरवालों से बात करने को तड़प रहा जेल में बंद तहव्वुर राणा, अदालत का खटखटाया दरवाजा

मुंबई, एजेंसी। मुंबई आतंकवादी हमले के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा ने अपने परिवार से बात करने की इजाजत मांगी है। इसके लिए उसने मंगलवार को नई दिल्ली की एक अदालत में याचिका दायर की। राणा के वकील के माध्यम से दायर आवेदन पर बुधवार को विशेष न्यायाधीश चंद्रजीत सिंह के समक्ष सुनवाई होने की संभावना है। पाकिस्तानी मूल का कनाडाई व्यवसायी राणा फिलहाल न्यायिक हिरासत में है। मुंबई में 26 नवंबर 2008 को हुए आतंकवादी हमले के मुख्य षड्यंत्रकारी डेविड कोलमैन हेडली उर्फ ??दाऊद गिलानी के करीबी सहयोगी राणा को अमेरिका से प्रत्यर्पण कर भारत लाया गया है। सीनियर वकील दयान कृष्णन और विशेष लोक अभियोजक नरेंद्र मान राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण की ओर से पेश हुए। कार्यवाही शुरू होने से पहले अदालत ने राणा से पूछा कि क्या उसके पास कोई वकील है। राणा ने बताया कि उसके पास कोई वकील नहीं है। इस पर अदालत ने बताया कि दिल्ली विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से उसे वकील मुहैया कराया जा रहा है। इसके बाद वकील पीयूष सचदेवा को उसका प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त किया गया। हाफिज सईद, साजिद मीर को भी सौंपने की मांग दूसरी ओर, इजरायल में भारत के राजदूत जेपी सिंह ने कहा है कि जैसे अमेरिका ने 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमले के प्रमुख साजिशकर्ताओं में से तहव्वुर हुसैन राणा को भारत को सौंपा था, उसी तरह पाकिस्तान को प्रमुख आतंकवादियों हाफिज सईद, साजिद मीर और जकीउर रहमान लखवी को भारत को सौंप देना चाहिए। सिंह ने आतंकवाद को वैश्विक खतरा बताते हुए इसके खिलाफ अंतरराष्ट्रीय गठबंधन बनाने का भी आह्वान किया। इजराइली टीवी चैनल आई24 को सोमवार को दिए गए साक्षात्कार में सिंह ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ भारत का ऑपरेशन सिंदूर रोका गया है, यह खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने इस संबंध में घटनाक्रम की पूरी जानकारी दी कि भारत को कार्रवाई क्यों करनी पड़ी और कहा कि यह अभियान पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादी संगठनों के खिलाफ था।

कैश कांडः जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग की तैयारी, मॉनसून सत्र में सरकार ला सकती है प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी। कैश कांड में बुरी तरह फंसे दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। उनके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट की जांच समिति द्वारा लगाए गए आरोपों को गंभीर मानते हुए केंद्र सरकार आगामी मॉनसून सत्र में महाभियोग ला सकती है। 3 मई को सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित तीन सदस्यीय जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि 14 मार्च को जस्टिस वर्मा के सरकारी आवास में आग लगने के बाद वहां नकदी की बड़ी मात्रा में गड्डियां मिलीं। इन आरोपों में प्रथम दृष्ट्या सच्चाई पाई गई है। यह समिति 22 मार्च को तत्कालीन मुख्य न्यायाधीशद्वारा गठित की गई थी। जिसमें पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस शील नागू, हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस जी एस संधवालया और कर्नाटक हाईकोर्ट की न्यायाधीश जस्टिस अनु सिवरमन शामिल थीं। इंडियन एक्सप्रेस ने अपनी एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा है भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने जांच रिपोर्ट की एक प्रति राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को न्यायाधीश के खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही शुरू करने की सिफारिश के साथ भेजी थी। रिपोर्ट के बाद जस्टिस वर्मा से इस्तीफा मांगा गया, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया है। उन्हें 20 मार्च को ट्रांसफर करते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट भेजा गया था। उन्होंने 5 अप्रैल को शपथ तो ली लेकिन अब तक उन्हें कोई न्यायिक कार्य नहीं सौंपा गया है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, सरकार मॉनसून सत्र में यह प्रस्ताव लाएगी। दोनों सदनों के अध्यक्षों से अनुरोध किया जाएगा और विपक्ष से भी इस मामले पर सहमति ली जा सकती है। आपको बता दें कि संसदीय कानून के मुताबिक, महाभियोग प्रस्ताव लाने के लिए लोकसभा में कम से कम 100 सांसद और राज्यसभा में कम से कम 50 सांसदों के द्वारा प्रस्ताव को समर्थन मिलनी चाहिए। इसके बाद दोनों सदनों में कम से कम दो-तिहाई बहुमत से प्रस्ताव पारित होना चाहिए। वहीं, कांग्रेस के सूत्रों का कहना है कि अभी तक उन्हें सरकार की ओर से कोई औपचारिक संपर्क नहीं किया गया है।

देश भर से आएं लोग, खत्म हो गया कश्मीर में डर का माहौल; फारूक अब्दुल्ला की पहलगाम से अपील

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम और नेशनल कॉन्फ्रेंस के चीफ फारूक अब्दुल्ला का कहना है कि कश्मीर में अब डर का माहौल काफी हद तक खत्म हो गया है। उन्होंने देश भर के लोगों से आग्रह किया कि वे कश्मीर में खूबसूरती का आनंद लेने के लिए आएं। अब्दुल्ला ने विदेश मंत्रालय से आग्रह किया कि वह जम्मू-कश्मीर की यात्रा के खिलाफ कुछ देशों की ओर से जारी निगेटिव ट्रैवल गाइडलाइन को रद्द कराने का प्रयास करे। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद कश्मीर में पर्यटन प्रभावित हुआ है। इस आतंकवादी हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। अब्दुल्ला ने कहा, यहां (पहलगाम हमला) जो हुआ वह बहुत दुखद है, ऐसा नहीं होना चाहिए था। लोग यहां खुशी-खुशी आ रहे थे। लोग अपने काम में व्यस्त थे, वे सरकारी नौकरी नहीं मांग रहे थे। पहलगाम में स्थिति ऐसी थी कि यहां कमरे उपलब्ध नहीं थे।सीनियर लीडर ने पर्यटक रिसॉर्ट का दौरा किया और कुछ मित्रों के साथ पहलगाम गोल्फ कोर्स में गोल्फ खेला। उन्होंने कहा कि हालांकि हमले से भय का माहौल पैदा हुआ है, लेकिन सरकार ने घाटी में सुरक्षा स्थिति सुधारने के लिए कुछ कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा, यहां डर का माहौल था, लेकिन मुझे लगता है कि अब डर का माहौल काफी हद तक कम हो गया है। आप देख सकते

हैं कि कितने लोग पहलगाम आ रहे हैं। मैं गुलमर्ग में था, वहां 400-500 पर्यटक थे। उन्होंने कहा, अल्ला का शुक्र है कि अब डर खत्म हो रहा है। सरकार ने भी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए कुछ कदम उठाए हैं। मुझे लगता है कि लोगों को आगे आना चाहिए। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने केंद्र से अपील की कि वह उन देशों से बातचीत करे, जिन्होंने अपने नागरिकों को जम्मू कश्मीर नहीं जाने के लिए परामर्श जारी किया है, ताकि ये पाबंदियां हटाई जा सकें। उन्होंने स्पष्ट रूप से पाकिस्तान का हवाला देते हुए कहा, मैं केंद्र सरकार और विदेश मंत्री से भी अनुरोध करता हूं कि अब समय आ गया है कि विदेशों द्वारा भारत आने पर लगाए गए प्रतिबंध हटा दिए जाएं। दोनों देशों में शांति आ गई है और हम आशान्वित हैं कि शांति बनी रहेगी। उन्हें भी यहां आने की अनुमति मिलनी चाहिए क्योंकि वे भी इस जगह को देखना चाहते हैं। इनमें से कई गोल्फ खिलाड़ी हैं, मैं आशा करता हूं कि वे आएंगे। अब्दुल्ला ने कहा कि बहुत से लोग गोल्फ खेलते हैं और इस खेल को अब खेलो इंडिया गेम्स में भी जगह मिल गई है। उन्होंने कहा, यह खेल ओलंपिक, राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों में खेला जाता है, इसलिए अब इसे हर जगह खेले जाने की जरूरत है। मेरा मानना ??है कि हमारे लोगों को बड़ी संख्या में यहां आना चाहिए और इस खेल को खेलना चाहिए ताकि भारत को इन खेलों में पदक मिल सके। कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा, इस मौसम और सुंदरता को देखिए, मैंने दुनिया भर में विभिन्न स्थानों की यात्रा की है।

जितेश की पारी IPL के वर्तमान सत्र की सर्वश्रेष्ठ पारी है: टॉम मूडी

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी टॉम मूडी ने कहा कि मंगलवार को लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ जितेश शर्मा की असाधारण पारी इंडियन प्रीमियर लीग के वर्तमान सत्र की सर्वश्रेष्ठ पारी है।

कार्यवाहक कप्तान जितेश ने 33 गेंदों पर नाबाद 85 रन की शानदार पारी खेलकर अपनी टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को आईपीएल के पहले क्वालीफायर में पहुंचा दिया। जब विराट कोहली का विकेट गिरने के बाद जितेश क्रीज पर आए, तब आरसीबी को 228 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 52 गेंदों पर 105 रन की जरूरत थी। जितेश ने इससे पहले वर्तमान सत्र में कोई अर्धशतक नहीं लगाया था लेकिन उन्होंने महत्वपूर्ण मौके पर आकर्षक पारी खेली।

मूडी ने कहा, 'मेरे लिए यह पारी आईपीएल के वर्तमान सत्र की सर्वश्रेष्ठ पारी है। हमने युवा और अनुभवी खिलाड़ियों की कुछ बेहतरीन पारियां देखी हैं, लेकिन यह पारी वाकई उल्लेखनीय है। उन्होंने कहा, 'परिस्थितियां पूरी तरह से प्रतिकूल थी लेकिन उन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया और मैच का पासा पलट दिया। उन्होंने पूरी चतुराई से बल्लेबाजी की। वह जिस तरह से खेल रहे थे उसे देखकर लग रहा था कि वह इससे पहले भी कई बार ऐसा कर चुके हैं।

वैभव सूर्यवंशी ने दुनिया के 58 बल्लेबाजों के बीच मारी बाजी, बने नंबर 1

नई दिल्ली, एजेंसी। भइया अब तो कहना ही पड़ेगा, वैभव सूर्यवंशी जैसा कोई नहीं. अब जिस नन्हें खिलाड़ी ने दुनिया के 58 बल्लेबाजों के बीच बाजी मारी हो, उसके बारे में ऐसा नहीं कहेंगे तो और क्या कहेंगे? 58 बल्लेबाजों के बीच अपने दबदबे की कहानी लिख 14 साल के वैभव सूर्यवंशी नंबर 1 भी बन गए हैं. अब आप सोच रहे हैं कि वैभव सूर्यवंशी ने कारनामा किया कहां? और कब किया? तो इन सवालों का जवाब आईपीएल से ही जुड़ा है.

इन 58 बल्लेबाजों के बीच वैभव सूर्यवंशी छाए: सबसे पहले तो ये जान लीजिए कि वो 58 बल्लेबाज हैं कौन, जिनके बीच वैभव सूर्यवंशी ने अपने नाम का डंका पीटा है. वो सभी बल्लेबाज आईपीएल में धूम मचा चुके हैं. दरअसल, ये उन बल्लेबाजों की संख्या है, जिन्होंने अभी तक आईपीएल में शतक जड़ा है. और, वैभव सूर्यवंशी आईपीएल में शतक लगाने वाले उन सारे बल्लेबाजों के बीच नंबर वन पर हैं.

वैभव सूर्यवंशी ने यशस्वी जायसवाल का रिकॉर्ड तोड़ा: अब अगर बाउंड्री पर्सेन्टेज निकालें तो वैभव सूर्यवंशी ने 93 प्रतिशत रन अपनी सेंचुरी के दौरान सिर्फ चौके-छक्के लगाकर बनाए थे, जो कि एक रिकॉर्ड है. वैभव सूर्यवंशी ने इस मामले में अपने ही टीममेट और ओपनिंग पार्टनर यशस्वी जायसवाल के रिकॉर्ड को तोड़ा है. यशस्वी जायसवाल ने जब आईपीएल 2023 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ शतक जड़ा था तो उसमें 90 प्रतिशत रन बाउंड्री से बनाए थे.

सनथ जयसूर्या नंबर 3, गिलक्रिस्ट चौथे नंबर पर: वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल के बाद तीसरे नंबर पर श्रीलंका के पूर्व ओपनर सनथ जयसूर्या हैं. उन्होंने आईपीएल 2008 में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ जमाए अपने शतक में 89 प्रतिशत रन बाउंड्री से बनाए थे. जबकि उसी आईपीएल सीजन में एडम गिलक्रिस्ट ने जब मुंबई इंडियंस के खिलाफ शतक लगाया था तो उसमें 88 प्रतिशत रन बाउंड्री से मारे थे.

इस मामले में नंबर 1 बने वैभव सूर्यवंशी

अब वैभव सूर्यवंशी नंबर वन तो हैं मगर किस मामले में? क्योंकि, ना ही उनका शतक सबसे तेज है और ना ही उनका बनाया स्कोर सबसे बड़ा. वैभव सूर्यवंशी जिस मामले में 58 बल्लेबाजों के बीच बाजी मारने में कामयाब रहे हैं, वो है उनकी सेंचुरी में मौजूद बाउंड्री पर्सेन्टेज. 14 साल के बाएं हाथ के बल्लेबाज ने आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ सिर्फ 35 गेंदों में शतक जड़ दिया था. वैभव सूर्यवंशी ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 38 गेंदों पर 265.78 की स्ट्राइक रेट से 101 रन बनाए थे, जिसमें 7 चौके और 11 छक्के शामिल रहे थे. मतलब उन्होंने अपनी सेंचरी में 94 रन सिर्फ बाउंड्री से बनाए थे.

भारत के खिलाफ श्रृंखला में होगी क्रॉली और पोप की असली परीक्षा: ज्योफ्री बॉयकॉट

लंदन, एजेंसी। अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज ज्योफ्री बॉयकॉट इस बात से सहमत नहीं हैं कि जिम्बाब्वे के खिलाफ शतक बनाने के बावजूद इंग्लैंड के जैक क्रॉली और ओली पोप अपनी 'तकनीकी और मानसिक समस्याओं से उबर चुके हैं और उनका मानना है कि उन्हें असली चुनौती अगले महीने भारत के खिलाफ होने वाली पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में मिलेगी।

क्रॉली के लिए पिछले कुछ महीने काफी कठिन रहे हैं। न्यूजीलैंड में वे संघर्ष करते रहे, जहां उनका औसत 9 से कम रहा और वे सभी छह पारियों में मैट हेनरी के हाथों आउट हुए। पोप के लिए भी 2024 उतार-चढ़ाव भरा रहा। हैदराबाद में भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में 196 रन की शानदार पारी खेलने के बाद उनके प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा। बॉयकॉट ने डेली टेलीग्राफ में अपने कॉलम में लिखा, 'हम अभी इस नतीजे पर नहीं पहुंच सकते हैं कि क्रॉली और पोप ने अपनी तकनीकी और मानसिक समस्याओं को सुलझा

लिया है, जो उनके करियर को प्रभावित कर रही थीं, क्योंकि जिम्बाब्वे की गेंदबाजी बहुत औसत दर्जे की थी। इंग्लैंड के शीर्ष तीन बल्लेबाजों क्रॉली, बेन डकेट और पोप ने शतक लगाए, जिससे मेजबान टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ अपनी पारी छह विकेट पर 565 रन बनाकर समाप्त घोषित की। इंग्लैंड ने यह एकमात्र टेस्ट मैच पारी और 45 रन से जीता था।

बॉयकॉट ने कहा, 'वे मध्यम गति के गेंदबाज थे, जो क्रॉली और पोप की बल्लेबाजी में किसी भी तरह की खामी को उजागर करने के लिए पर्याप्त अच्छे नहीं थे। हमें भारत के खिलाफ श्रृंखला तक इंतजार करना होगा, ताकि यह देखा जा सके कि बेहतर गेंदबाजों के खिलाफ वास्तव में कोई सुधार हुआ है या नहीं। यह उनके लिए असली परीक्षा होगी और इससे हम बेहतर आकलन कर सकते हैं कि वह अभी किस स्थिति में हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला का पहला मैच 20 जून से लीड्स में खेला जाएगा। इंग्लैंड को इसके बाद एशेज श्रृंखला खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है जिसका पहला मैच 21 नवंबर को शुरू होगा।

पंत की क्षमता और योग्यता पर कभी संदेह नहीं था: जहीर खान

लखनऊ, एजेंसी। ऋषभ पंत इंडियन प्रीमियर लीग के वर्तमान सत्र में भले ही अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए लेकिन लखनऊ सुपर जाइंट्स के मेंटोर (मार्गदर्शक) जहीर खान ने कहा है कि इस विकेटकीपर बल्लेबाज की क्षमता और योग्यता पर कभी संदेह नहीं रहा। मेगा नीलामी में 27 करोड़ रुपए की भारी भरकम कीमत पर खरीदे गए पंत ने 13 पारियों में सिर्फ 269 रन बनाए।

उन्होंने टीम के सत्र के आखिरी मैच में 61 गेंदों पर 118 रन बनाए लेकिन इसके बावजूद उनकी टीम को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से हार का सामना करना पड़ा। जहीर ने मैच के बाद कहा, 'उन्होंने कप्तान के रूप में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया। यह पूरे सत्र में हमारे लिए सकारात्मक पहलू रहा। बल्ले से उनका प्रदर्शन निश्चित रूप से उनके लिए सीखने वाला अनुभव रहा, क्योंकि इस तरह का सत्र उनके लिए काफी महत्वपूर्ण था। उन्होंने कहा, 'लेकिन उनकी योग्यता और क्षमता पर किसी को कोई संदेह नहीं था। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि इस आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज को शानदार प्रदर्शन करते हुए सत्र का अंत करते देखना अच्छा लगा। जहीर ने कहा, 'हमें खुशी है कि उन्होंने बहुत अच्छे प्रदर्शन के साथ सत्र का समापन किया। उनकी क्षमता ऐसी है और वे खेल पर बहुत प्रभाव डाल सकते हैं। लखनऊ के लिए यह सत्र निराशाजनक रहा तथा वह छह जीत और आठ हार के साथ सातवें स्थान पर रहा। प्रमुख गेंदबाजों की चोटों के कारण उसकी लय और निरंतरता बाधित हुई। जहीर ने कहा, 'जब आप आईपीएल सत्र की शुरुआत करते हैं, तो आपका पहला लक्ष्य प्लेऑफ के बारे में सोचना होता है, कि आप वहां कैसे पहुंचेंगे। हमारे कुछ मुख्य गेंदबाज चोटिल होने के कारण बाहर हो गए थे और हमने इन चुनौतियों से निपटने के लिए अपनी तरफ से अच्छे प्रयास किये। हमारे बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया और यह हमारे लिए सकारात्मक पहलू रहा।

जोकोविच ने मैकडोनाल्ड के खिलाफ सीधे सेटों में जीत दर्ज की

पेरिस, एजेंसी। नोवाक जोकोविच ने मंगलवार को अपने 2025 रौलां गैरो अभियान की शुरुआत अपने ट्रेडमार्क अंदाज में की, उन्होंने कोर्ट फिलिप-चैटियर पर पहले दौर में आत्मविश्वास और संयम के साथ प्रदर्शन करते हुए अमेरिकी मैकेंजी मैकडोनाल्ड को 6-3, 6-3, 6-3 से हराया। यह जीत जोकोविच द्वारा जिनेवा ओपन में अपना 100वां टूर-लेवल खिताब जीतने के ठीक तीन दिन बाद मिली।

मैकडोनाल्ड के खिलाफ अपना पहला एटीपी हेड2हेड मैच खेलते हुए, जोकोविच एक घंटे, 58 मिनट के मुकाबले में पूरे नियंत्रण में थे। मैच की शुरुआत में हवा की स्थिति ने कुछ अप्रत्याशितता पैदा की, लेकिन बारिश के कारण दूसरे सेट के बीच में छत बंद हो गई। तब तक, सर्बियाई खिलाड़ी ने पहले ही गति पकड़ ली थी, उन्होंने शुरुआती सेट में 2-2 से सात में से छह गेम जीत लिए थे।

इस जीत ने रौलां गैरो के पहले दौर के मैचों में जोकोविच के शानदार रिकॉर्ड को 20-0 तक पहुंचा दिया है। 2010 के बाद से उन्होंने क्ले-कोर्ट मेजर में ओपनर में एक भी सेट नहीं गंवाया है, जब उन्होंने चार सेटों में एवगेनी कोरोलेव को हराया था। जोकोविच ने कोर्ट पर दिए अपने इंटरव्यू में फ्रेंच में कहा, +मैं इस बेहद खास और खूबसूरत कोर्ट पर हर पल का लुत्फ उठाने की कोशिश करता हूं।मैं यहां अच्छा महसूस कर रहा हूँ, जाहिर है, और भी ज्यादा क्योंकि मैं पिछले साल के ओलंपिक की

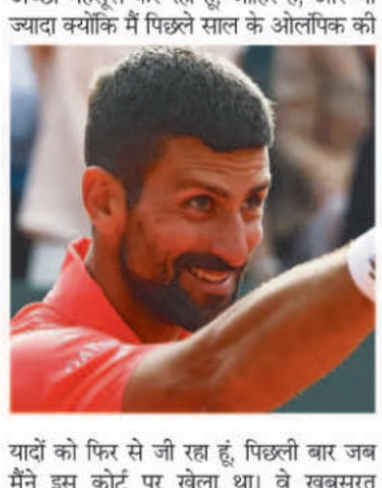

यादों को फिर से जी रहा हूं, पिछली बार जब मैंने इस कोर्ट पर खेला था। वे खूबसूरत भावनाएं हैं। मैकडोनाल्ड ने प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए संघर्ष किया और दूसरे सेट में अंतर को कम करने के लिए सर्विस का एक ब्रेक हासिल किया, लेकिन जोकोविच ने तुरंत वापसी की और इसे बंद कर दिया। एटीपी स्टैट्स के अनुसार, 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने नौ में से पांच ब्रेकपॉइंट को कन्वर्ट किया और मैकडोनाल्ड के आक्रमण को रोकने के लिए बेसलाइन से लगातार शॉट्स में गहराई बनाए रखी।

एटीपी रैंकिंग में नंबर 6 पर काबिज जोकोविच 2024 में रौलां गैरो में क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, इससे पहले कि घुटने की चोट के कारण उन्हें वापस हटना पड़ा। उन्होंने उसी कोर्ट पर ओलंपिक स्वर्ण जीतने के लिए साल के अंत में वापसी की। इस खेल में इतिहास ने मुझे मेरे जीवन में सब कुछ दिया है, यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं हमेशा जहां भी संभव हो इतिहास बनाने की कोशिश करता हूं... मैं जितने भी टूर्नामेंट खेलता हूं, जितने भी अभ्यास करता हूं, जितने भी मैच खेलता हूं, और खासकर दुनिया के सबसे बड़े टूर्नामेंट के दौरान। सर्बियाई खिलाड़ी ने कहा, +मेरे पास और अधिक इतिहास रचने का अवसर है और यह प्रतियोगिताओं के लिए मेरी सबसे बड़ी प्रेरणाओं में से एक है, ताकि मैं काम करना जारी रख सकूं और खुद को बेहतर बना सकूं। जोकोविच का सामना अब दूसरे दौर में कोरेंटिन मौटेट या क्वालीफायर क्लेमेंट टैबूर से होगा।

गुकेश की नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में लगातार दूसरी हार, दूसरे राउंड में अर्जुन ने हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। मौजूदा वर्ल्ड चेस चैंपियन डी गुकेश की नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट 2025 में शुरुआत बेहद खराब रही। उन्हें शुरुआती दोनों मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। मंगलवार को खेले गए दूसरे राउंड में उन्हें हमवतन अर्जुन एरिगैसी ने हराया। इस हार के बाद गुकेश स्टैंडिंग में सबसे निचले छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। इससे पहले, उन्हें पहले राउंड में पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन और मौजूदा वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

तीसरे राउंड में हिकारू से भिड़ेंगे गुकेश इस जीत से अर्जुन दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। टॉप पर अमेरिका के हिकारू नाकामुरा हैं। एक अन्य मुकाबले में हिकारू ने मैग्नस कार्लसन को हरा दिया। तीसरे राउंड में गुकेश का सामना हिकारू से होगा। कौन हैं डी गुकेश? गुकेश डी का पूरा नाम डोम्माराजू गुकेश है। वह चेन्नई के रहने वाले हैं। गुकेश का जन्म चेन्नई में 7 मई 2006 को हुआ था। उन्होंने 7 साल की उम्र में ही शतरंज खेलना शुरू कर दिया था। उन्हें शुरू में भास्कर नागैया ने कोचिंग दी थी। नागैया इंटरनेशनल चेस खिलाड़ी रहे हैं और चेन्नई में चेस के होम ट्यूटर हैं। इसके बाद विश्वनाथन आनंद ने गुकेश को खेल की जानकारी देने के साथ कोचिंग दी। गुकेश के पिता डॉक्टर हैं और मां पेशे से माइक्रोबायोलॉजिस्ट हैं।

गुकेश मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन गुकेश ने दिसंबर में सिंगापुर में खेले गए वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप में चीन के डिंग लिरेन को 7.5-6.5 से फाइनल में हराकर खिताब जीता था। 18 साल की उम्र में वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप जीतने वाले गुकेश दुनिया के पहले प्लेयर हैं। इससे पहले 1985 में रूस के गैरी कैस्परोव ने 22 साल की उम्र में यह खिताब जीता था।

गुकेश ने चीनी खिलाड़ी को 14वें गेम में हराकर यह टाइटल जीता था। 25 नवंबर को चैंपियनशिप का फाइनल शुरू हुआ था, 11 दिसंबर तक दोनों के बीच 13 गेम खेले गए। गुकेश ने चेस ओलिंपियाड भी जिताया था 10 से 23 सितंबर तक पिछले साल बुडापेस्ट में चेस ओलिंपियाड का आयोजन हुआ था। भारत ओपन और विमेंस दोनों कैटेगरी में चैंपियन बना था।

रेसलिंग की जगह मरीन कॉर्प्स में भर्ती होना चाहते थे जॉन सीना

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूडब्ल्यूई को जॉन सीना जैसा गोट (ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम) शायद कभी नहीं मिलता। एक समय ऐसा था जब जॉन सीना रेसलिंग में आने ही नहीं वाले थे। डब्ल्यूडब्ल्यूई में कई बड़े सितारे हुए हैं जिन्होंने अलग-अलग दौर में अपना नाम बनाया है।

जॉन सीना भी उनमें से एक हैं। अनसीन 17 प्रोफेशनल रेसलिंग में बहुत बड़ा नाम है और डब्ल्यूडब्ल्यूई का चेहरा भी रहे हैं। लेकिन, अगर जॉन सीना ने कोई और रास्ता चुना होता तो कंपनी को ऐसा GOAT कभी नहीं मिल पाता। दरअसल, जॉन सीना एक समय मरीन कॉर्प्स में भर्ती होना चाहते थे। उसी समय उन्हें कुश्ती का भी ऑफर मिला।

जॉन सीना ने कैसे चुनी रेसलिंग

जॉन सीना ने स्टेफनी मैकमैहन के नए शो स्टेफनी प्लेसेस पर अपने संघर्ष के दिनों की एक कहानी बताई। उन्होंने बताया कि शारीरिक गतिविधियों में रुचि होने के बाद वे मरीन कॉर्प्स में जाना चाहते थे। उन्हें लगता था कि यह उनके लिए सही रहेगा। जॉन सीना ने मरीन में भर्ती होने का फैसला कर लिया था। लेकिन, उसी हफ्ते उनके एक दोस्त ने उन्हें ऑरेंज काउंटी में एक ट्रेनिंग सेशन के लिए बुलाया। द फेस दैट रन्स द प्लेस ने वहां जाने का फैसला किया। रिंग देखकर उन्हें रेसलिंग से प्यार हो गया। फिर उन्होंने हफ्ते में एक नौकरी करने और वीकेंड पर रेसलिंग करने का फैसला किया। अगर जॉन सीना उस वीकेंड मरीन में भर्ती होने चले जाते, तो डब्ल्यूडब्ल्यूई को उनका एक बड़ा नाम कभी नहीं मिलता। रेसलिंग की दुनिया भी बहुत अलग होती। लेकिन, सीना ने उस ट्रेनिंग सेशन में जाने का फैसला किया और डब्ल्यूडब्ल्यूई में शामिल हो गए। 25 साल बाद, उन्हें गोट के रूप में जाना जाता है। वे 17 बार डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियन रह चुके हैं।

डब्ल्यूडब्ल्यूई में सीना का योगदान काफी अहम

जॉन सीना की कहानी प्रेरणादायक है। यह हमें सिखाती है कि हमें अपने सपनों को कभी नहीं छोड़ना चाहिए। हमें हमेशा अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रयास करते रहना चाहिए। डब्ल्यूडब्ल्यूई में जॉन सीना का योगदान बहुत बड़ा है। उन्होंने डब्ल्यूडब्ल्यूई को दुनिया भर में लोकप्रिय बनाया है। वे डब्ल्यूडब्ल्यूई के सबसे बड़े सितारों में से एक हैं।

स्वरोजगार मूलक योजनाओं से प्रत्येक माह हितग्राही हों लाभांवित: कलेक्टर

एनआरसी से डिस्चार्ज पर बच्चों को पौष्टिक आहार किट एवं माताओं को मजदूरी की प्रतिपूर्ति राशि देने का होगा प्रयास

पन्ना। कलेक्टर सुरेश कुमार ने कहा है कि स्वरोजगारमूलक योजनाओं से संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा हितग्राहियों के हितलाभ प्रकरणों के समय पर निराकरण के उद्देश्य से माहवार लक्ष्यपूर्ति का प्रयास किया जाए। इसके लिए विभागीय व बैंक स्तर पर जरूरी समन्वय के माध्यम से निरंतर कार्य कर हितग्राहियों को लाभ प्रदान करना सुनिश्चित करें। किसी भी स्थिति में वित्तीय वर्ष के अंतिम माह अथवा अंतिम त्रैमास की प्रतीक्षा न करें। इस संबंध में उन्होंने हर माह स्वरोजगार प्रकरणों का वितरण कराने सहित लगातार मॉनीटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। साथ ही विभाग के अधीनस्थ लोकसेवकों द्वारा लापरवाही बरतने पर वेतनवृद्धि रोकने की चेतावनी भी दी। इसके अलावा शासन की प्राथमिकता वाले कार्यों में भी तत्परतापूर्वक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया। कलेक्टर श्री कुमार ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के समयसीमा में निराकरण के उद्देश्य से पुरानी शिकायतों सहित वर्तमान माह में प्राप्त शिकायतों का भी समानांतर रूप से संतुष्टिपूर्वक निराकरण की कार्यवाही सुनिश्चित करें। इसके अलावा प्राथमिकता के साथ टीएल और जनसुनवाई पत्रों का भी निराकरण हो। उन्होंने कई बार निर्देश के बावजूद सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर एल-1 स्तर पर निर्धारित समयावधि में शिकायत अटेंड न करने तथा लोक सेवा गारण्टी अधिनियम की विभिन्न नागरिक सेवाओं के समय सीमा में निराकरण न होने पर संबंधितजनों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही के सख्त निर्देश भी दिए।

कलेक्टर श्री कुमार ने कहा कि विभागीय अधिकारी विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन में जिले की रैंकिंग में सुधार के लिए भी सार्थक प्रयास करें। साथ ही संवेदनशीलता से आम नागरिकों की समस्याओं के निराकरण सहित आमजन के प्रति अपने व्यवहार और दृष्टिकोण में भी बदलाव लाएं। इस दौरान विशेषकर 70 वर्ष एवं अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक एवं भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार मण्डल में पंजीकृत श्रमिकों के आयुष्मान कार्ड बनाने तथा पशुपालन एवं डेयरी विभाग की केसीसी योजना में तेजी लाने के निर्देश भी दिए। समस्त जिलाधिकारियों को जिला मुख्यालय पर मंगलवार को सुबह 11 से दोपहर 1 बजे तक आयोजित जनसुनवाई में भी जिला कार्यालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर आमजनों की समस्या निराकरण के लिए निर्देशित किया गया। टीएल बैठक में न्यायालयीन प्रकरण अंतर्गत जवाबदावा कार्यवाही और अवमानना याचिकाओं के निराकरण की समीक्षा भी की गई। इसके अलावा पोषण पुनर्वास केन्द्रों के सतत् निरीक्षण तथा उपलब्ध सीट क्षमता के विरूद्ध चिन्हांकित शत-प्रतिशत कुपोषित बच्चों के निरंतर रूप से उपचार के लिए भी निर्देशित किया गया। कलेक्टर ने कहा कि डिस्चार्ज के उपरांत बच्चों के स्वास्थ्य निगरानी के लिए फॉलोअप की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। आगामी माह से निर्धारित समय उपरांत एनआरसी से बच्चों के डिस्चार्ज के दौरान पौष्टिक आहार किट प्रदान करने तथा बच्चे की माताओं को मजदूरी की प्रतिपूर्ति राशि की व्यवस्था के बारे में भी अवगत कराया। जिला कलेक्टर ने कहा कि कुपोषण समाप्त करने के लिए प्रारंभिक रूप से ही गर्भावस्था के शुरूआती तीन माह की आवश्यक जांच व अन्य व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया जाए। स्वास्थ्य योजनाओं विशेषकर महिला स्वास्थ्य की दिशा में सभी जरूरी प्रयास करें।

कलेक्टर ने कहा कि पर्यवेक्षण में अभाव के कारण गत कई माह से निकायवार संचालित हितग्राहियों के समग्र ई-केवायसी कार्य में प्रगति कम है। प्रत्येक जनपद पंचायत सीईओ द्वारा इसके लिए पंचायत सचिव एवं रोजगार सहायकों के कार्यों की मॉनिटरिंग कर लापरवाही अथवा स्वच्छंदता बरतने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाए। इसके बावजूद भी प्रगति में सुधार नहीं होने पर सेवा समाप्ति जैसी कड़ी कार्यवाही भी करें। शासकीय सेवकों के आधार में वांछित सुधार के लिए कलेक्टर कार्यालय परिसर में शिविर लगाने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा संभागायुक्त के निर्देशानुसार आगामी दिवसों में सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों के पेंशन प्रकरणों के निराकरण तथा समय पर वित्तीय स्वत्वों के लाभ के लिए आगामी 31 मई तक जिला पेंशन कार्यालय में प्रकरण प्रेषित करने के लिए कहा। जिला पेंशन अधिकारी ओ.पी. गुप्ता ने बताया कि न्यायालयीन, लोकायुक्त एवं विभागीय जांच के प्रकरणों को छोड़कर सभी सामान्य प्रकरणों का शासन के निर्देशानुसार समय सीमा में निराकरण किया जाएगा।

लंबित अनुकंपा नियुक्ति प्रकरणों में भी प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिए गए। जिला कलेक्टर ने आगामी 12 जून को कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में सागर में प्रस्तावित संभागीय समीक्षा बैठक के संबंध में आवश्यक कार्यवाही, शासकीय महाविद्यालयों में प्राध्यापक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों की समय पर उपस्थिति के लिए सार्थक पोर्टल पर यूजर पंजीयन कराने, आगामी वर्षाकाल के पूर्व बाढ़ एवं राहत संबंधी तैयारी, समर्थन मूल्य पर उपार्जित स्कंध के परिवहन व किसानों को भुगतान, जल गंगा संवर्धन अभियान में अन्य विभागों द्वारा भी गतिविधियों के निरंतर आयोजन, विभिन्न परियोजनाओं में भू-अर्जन की शेष मुआवजा राशि के शीघ्र वितरण, खाद्यान्न हितग्राहियों का ई-केवायसी कार्य अविलंब पूर्ण कराने, ग्रीष्मकाल में पेयजल समस्या की सूचना पर टीम भेजकर तत्परता से समस्या के निराकरण तथा पॉलीटेक्निक महाविद्यालय पन्ना एवं पवई में विभिन्न ब्रांच में सीट क्षमता के विरूद्ध प्रवेश सुनिश्चित कराने और ई-ऑफिस पर ऑनबोर्ड हो चुके विभागों द्वारा तत्काल फाइल जनरेशन कर निराकरण प्रारंभ कराने के लिए भी निर्देशित किया गया। टीएल बैठक में जिला कलेक्टर द्वारा अधिकारियों को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के गुरूवार, 29 मई को पन्ना में प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम के मद्देनजर आवश्यक प्रबंध के संबंध में जरूरी निर्देश दिए गए। बताया गया कि पुलिस लाइन स्थित हेलीपेड से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव स्थानीय छत्रसाल पार्क पहुंचेंगे और महाराजा छत्रसाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं नमन कार्यक्रम में शामिल होकर सभास्थल शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय पन्ना ग्राउण्ड रवाना होंगे। यहां मुख्यमंत्री द्वारा विभिन्न प्रदर्शनी का अवलोकन कर विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया जाएगा। मुख्यमंत्री छत्रसाल जन्मोत्सव एवं पन्ना नगर के गौरव दिवस कार्यक्रम में शामिल होंगे तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही सम्मेलन को भी संबोधित करेंगे। इसके अलावा सामूहिक विवाह सम्मेलन के कार्यक्रम में शामिल होकर हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण करेंगे। जिला कलेक्टर द्वारा मुख्यमंत्री के मुख्यातिथ्य में आयोजित कार्यक्रम के संबंध में संबंधित अधिकारियों को साफ-सफाई, टेंट, प्रदशर्नी, पेयजल, मेडिकल टीम की तैनाती, पार्किंग व्यवस्था इत्यादि के संबंध में जरूरी निर्देश दिए गए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी, अपर कलेक्टर नीलाम्बर मिश्र, एसडीएम संजय नागवंशी सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

शासकीय सड़क को जोत कर दबंग ने किया कब्जा, तहसील कार्यालय में चल रहा मामला

पन्ना । गुनौर जनपद पंचायत अंतर्गत अमानगंज तहसील की ग्राम पंचायत जिजगाव के ग्राम इटोरा में वर्ष 2012-13 बिल्हा अमानगंज मार्ग से सड़क का निर्माण किया गया था उक्त जीएसबी सड़क ग्राम के लोगों को आने जाने के लिए बनाई गई थी लोग वहीं से आते जाते थे सड़क का निर्माण लगभग चार लाख की लागत से किया गया था तथा उक्त सड़क शासकीय जमीन पर बनी थी लेकिन कुछ दिन पूर्व धरम पुरा ग्राम के निवासी मुन्ना राजा द्वारा ट्रैक्टर से शासकीय सड़क जोतकर अपने खेत में मिला ली है जिससे लोगों को आने-जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है उक्त मामले को लेकर ग्राम वासियों द्वारा जिला कलेक्टर को आवेदन दिया गया था कलेक्टर ने एसडीएम गुनौर को कार्यवाही करने के निर्देश दिए थे निर्देश मिलते ही एसडीम गुनौर रामनिवास चौधरी तहसीलदार अमानगंज को लेकर मौका स्थल पर पहुंचे थे तथा उन्होंने संबंधित के खिलाफ कार्यवाही करने के निर्देश तहसीलदार को दिए थे लेकिन उसके बावजूद संबंधित द्वारा सड़क को ट्रैक्टर से जोत कर अपने खेत में मिल लिया है फिर से स्थानीय लोगों ने तहसीलदार अमानगंज को आवेदन देकर संबंधित के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की है ।

अनधिकृत कॉलोनी घोषित करने के संबंध में 2 जून तक प्रस्तुत करें आपत्ति

पन्ना। कलेक्टर न्यायालय द्वारा पवई तहसील निवासी संजय पाठक पिता बद्री प्रसाद पाठक को ग्राम पवई की सर्वे नंबर 2658 रकवा 0.297 हे. भूमि पर बगैर स्वीकृति के कॉलोनी निर्माण करने पर इसे अनधिकृत कॉलोनी घोषित करने के संबंध में आगामी 2 जून तक स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिमान्य अधिवक्ता के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर सुरेश कुमार ने पटवारी हल्का नंबर 13 से संबंधित जनसामान्य को भी इस संबंध में सूचित किया है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पवई के 04.02.2017 के साथ संलग्न राजस्व निरीक्षक मण्डल पवई के प्रतिवेदन 11.12.2016 अनुसार अनावेदक संजय पाठक द्वारा उक्त सर्वे नंबर की भूमि पर रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र एवं कॉलोनी विकास की अनुज्ञा प्राप्त किए बगैर कॉलोनी का निर्माण कराया जा रहा था। इसके अलावा नगर तथा ग्राम निवेश से लेआउट स्वीकृति एवं अनापत्ति प्रमाण पत्र भी नहीं प्राप्त किया व रेरा पंजीयन भी नहीं कराया गया।

चलती बस से गिरकर महिला की मौत

पन्ना। जानकारी के अनुसार पन्ना अजयगढ़ रोड विश्रमगंज के पास चलती बस से महिला अचानक गिर गई जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई मृतका की बेटी साधना तिवारी ने बताया कि हम लोग मम्मी प्रेम बाई शुक्ला के साथ अमानगंज जा रहे थे उन्हें रास्ता में उल्टी होने लगी तो वह खिड़की तरफजाने के लिए खड़ी हो गई तेज रफ्तार बस होने के कारण अचानक दरवाजा खुल गया और वह नीचे गिर गई जिससे वह बुरी तरह घायल हो गई तथा अजयगढ़ स्वास्थ्य केंद्र पहुंचते ही उनकी मृत्यु हो गई।

सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की जान बचाएं और 25 हजार रूपए पाएं

राह-वीर योजना को लेकर केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने जारी की गाइडलाइन

पन्ना। सड़क दुर्घटनाओं में होनी वाली मृत्युदर में कमी लाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में गत कैबिनेट बैठक में लिए गए निर्णय अनुसार राह-वीर योजना शुरू की गई है। योजना की गाईड लाईन जारी कर दी गई है। गाईड लाईन के अनुसार सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को गोल्डन आवर (दुर्घटना से एक घंटे के भीतर का समय) में अस्पताल पहुंचाने वाले राह-वीर को 25 हजार रूपए की नगद प्रोत्साहन राशि एवं प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा। इसके साथ ही चुने हुए राह-वीरों में से सबसे योग्य 10 राह-वीरों को राष्ट्रीय स्तर पर एक-एक लाख रुपए पुरस्कार स्वरूप दिए जाएंगे।

कोई भी व्यक्ति जो मोटर यान सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को गोल्डन ऑवर में अस्पताल या ट्रामा केयर सेंटर तत्परता से पहुंचाकर जान बचाता है, ऐसे सभी व्यक्ति राह-वीर योजना के लिए पात्र होंगे। गोल्डन ऑवर अर्थात् दुर्घटना होने के एक घंटे के भीतर गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की जान बचाने के लिए चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराना है। कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित कमेटी द्वारा पुलिस थाना, अस्पताल या ट्रामा केयर सेंटर से प्राप्त जानकारी के मुताबिक प्रकरणों की समीक्षा की जाएगी। इसकी प्रति संबंधित राह-वीर को भी भेजी जाएगी। मूल्यांकन समिति में संबंधित जिले के जिला मजिस्ट्रेट, एसपी, सीएमएचओ, आरटीओ शामिल होंगे। ये समिति मासिक आधार पर प्रस्तावों की समीक्षा कर उन्हें मंजूरी देगी। चुने हुए राह वीर को परिवहन आयुक्त द्वारा सीधे बैंक खाते में प्रोत्साहन राशि का अंतरण किया जाएगा। राज्य स्तर पर इसकी निगरानी के लिए प्रमुख सचिव (गृह) की अध्यक्षता में एक राज्य स्तरीय निगरानी समिति बनाई जाएगी, जो हर तीन महीने में योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा करेगी। यह योजना 21 अप्रैल 2025 से प्रभावशील है। राह-वीर की जानकारी केवल अवार्ड प्रदाय के लिए उपयोग की जाएगी। अन्य किसी कार्य के लिए नहीं। एक राह-वीर को वर्षभर में अधिकतम 5 प्रकरणों में अवार्ड दिया जा सकेगा। इस योजना के तहत दिए जाने वाले सम्मान की राशि परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा वहन की जाएगी।

वैश्य महासम्मेलन की जिला कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न, सदस्यता अभियान को मिली गति

पन्ना। वैश्य समाज की एकता, संगठन की सुदृढ़ता एवं सामाजिक जागरूकता को समर्पित वैश्य महासम्मेलन जिला पन्ना की जिला कार्यकारिणी की एक महत्वपूर्ण बैठक सोमवार को मोहन राजविलास पैलेस, पन्ना के प्रांगण में सम्पन्न हुई।

बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष मनोज केशरवानी ने की। मुख्य अतिथि के रूप में कटनी संभाग अध्यक्ष राकेश अग्रवाल, तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में खजुराहो संभाग अध्यक्ष अजय गुप्ता, जिला प्रभारी कैलाश मोदी, महिला इकाई की अध्यक्ष एडवोकेट मंजूलता जैन, एवं कार्यकारी अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल मंचासीन रहे। बैठक का मूल उद्देश्य संगठनात्मक विस्तार, सदस्यता अभियान को तीव्र गति प्रदान करना एवं तहसील स्तर तक संगठन को सशक्त बनाना रहा। इस अवसर पर यह निर्णय लिया गया कि 30 जुलाई तक जिले में 1000 सदस्यों की सदस्यता पूर्ण की जाएगी। वर्तमान में प्रदेशभर में वैश्य महासम्मेलन के 60,000 सदस्य सक्रिय रूप से पंजीकृत हैं। निर्णय लिया गया कि ग्राम्य स्तर तक पहुंच बनाकर आजीवन सदस्यता का विशेष अभियान चलाया जाएगा, तथा सभी तहसीलों में आजीवन सदस्यों के भव्य सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। साथ ही सभी पूर्व पंजीकृत सदस्यों केनाम, पता एवं मोबाइल क्रमांक का अद्यतन सत्यापन अनिवार्य रूप से किया जाएगा। बैठक में जिले के विभिन्न अंचलों से समाज के प्रतिष्ठित प्रतिनिधियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। इस गरिमामयी अवसर पर रामहित साहू, जगदीश जड़िया, डॉ महेश खैरया, सुन्नू गुप्ता, आरके गुप्ता, कैलाश गुप्ता (गब्बर),मोनू गुप्ता बलदेव स्वीट्स, परसोत्तम सोनी,योगेश जड़िया, विकास चौरसिया, गोपाल बरसैया, सुरेंद्र बड़ेरिया, देवेंद्रनगर से डॉ प्रमोद जैन, नगर परिषद अध्यक्ष शिवांगी गुप्ता,प्रतिमा गुप्ता, रश्मि गुप्ता,ललित गुप्ता, पारुल जैन, पवई से अजीत जैन, नीतू सरावगी व शाहनगर से अरुणा, अजयगढ़ से रमेश गुप्ता व पहाड़ीखेरा से सुरेश गुप्ता , अमानगंज से नीरज बड़ेरिया,अनिल कंथरिया ,लक्ष्य अग्रवाल, दिलीप गुप्ता, श्रीमती निशा जैन,अर्चना नारिया, श्रीमती सुमन गुप्ता, राकेश मथुरा गुप्ता,पीयूष गोयल अमानगंज, राकेश जड़िया, रविशंकर सोनी, माधुरी अग्रवाल, प्रतिमा गुप्ता,दिलीप गुप्ता,श्रेयांश शिवहरे उपस्थित रहे।

जिला कांग्रेस कमेटी ने प्रथम प्रधानमंत्री चाचा नेहरू को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

पन्ना । देश के प्रथम प्रधानमंत्री स्वर्गीय पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा नवनिर्मित जिला कांग्रेस कार्यालय परिसर में मनाई गई तथा चाचा नेहरू को सभी उपस्थित कांग्रेस जनों ने पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्हें याद किया इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवजीत सिंह भैया राजा ने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू भारत ही नहीं पूरे विश्व के नेता रहे हैं उनकी अद्भुत क्षमता के कारण है आज हमारा देश इतना समृद्ध साली एवं विकसित देश बन रहा है चाचा नेहरू बहुत ही शालीन मृदभांशी तथा जनता के परम हितेषी नेता रहे हैं उन्होंने देश के लिए भाखड़ा नांगल बांध आईआईटी जैसे बड़े संस्थान दिए हैं आज उन्हीं के कारण हमारा देश लगातार तरक्की कर रहा है इस अवसर पर अनेक लोगों उपस्थित रहे जिसमें मुख्य रूप से अनीश खान दीपक तिवारी पुरुषोत्तम जड़िया ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अक्षय तिवारी राकेश शर्मा पार्षद रेहान मोहम्मद राज बहादुर पटेल जितेंद्र सिंह जाटव जगतपाल सिंह बॉबी राजा पिंकू सिद्दीकी एजाज मोहम्मद विक्रम सिंह यादव सरदार यादव अनुज श्रीवास राजा बाबू पटेल सज्जन यादव रियासत खान फेजमोहम्मद फैयाज मोहम्मद आदि।

वृहष्पति कुंड आश्रम में गौशाला की भूमि की बोली लगाए जाने के विरोध में महंत ने सौंपा

पन्ना। सारंगधर आश्रम के पास स्थित बंदर खोह आश्रम के महंत चिरैया बाबा ने कलेक्टर को आवेदन सौंप कर बताया है

कि बृहष्पति कुंड गौशाला की भूमि जो बृहष्पति कुंड के महंतों द्वारा खेती करवाई जाती थी तथा शासन में आज तक राशि जमा नही हुई खेती के पैसे से तत्कालीन महंत गौशाला प्रबंधन करते थे तथा आने बाले तीर्थ यात्रियों को भोजन प्रसाद की व्यवस्था करते थे। इसके साथ ही उन्होंने गौशाला निर्माण एवं अन्य कार्यों में लाखों रुपए की राशि भी व्यय की है। अगर बोली का पैसा शासन में जमा होगा तो गौशाला सहित भंडारा की व्यवस्था बिगड जाएगी। बताया गया है कि यह स्थान राम वन पथ गमन में आता है, जिससे यहाँ आने जाने बाले तीर्थ यात्रियों को भी भोजन प्रसाद उपलब्ध नहीं हो सकेगा। महंत के साथ समस्त क्षेत्रीय सरपंचों, गणमान्य नागरिकों एवं धर्म प्रेमियों के द्वारा मांग उठाई गई है कि भूमि को शासन से न जोडा जाये और तत्कालीन प्रबंधक चिरैया बाबा ही पूर्व की भाँति खेती किसानी एवं गौशाला प्रबंधन का कार्य करते रहें। महंत श्री चिरैया बाबा ने बताया है कि वह बंदर खोह आश्रम में रहकर पूजा अर्चना करते थे बृहस्पति कुंड क्षेत्र के धर्म प्रेमियों एवं कमेटी के द्वारा ही उन्हें वहां ले जाया गया और व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई जिससे उन्होंने व्यवस्थाओं में लाखों रुपए खर्च किए हैं लेकिन अब प्रशासन के हस्तक्षेप की वजह से वह व्यवस्थाओं में असमर्थ हो रहे हैं इसलिए प्रशासन को चाहिए कि बृहस्पति कुंड की भूमि में हस्तक्षेप ना करें ताकि गौशाला एवं साधु संतों और श्रद्धालुओं की भोजन व्यवस्था निरंतर सुचारू रूप से चलती रहे।

भाजपा द्वारा लोकमाता देवी अहिल्याबाई की 300 वी जयंती पर संगोष्ठी का किया आयोजन

पन्ना। लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर की 300 वीं जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा एक भव्य संगोष्ठी का आयोजन पन्ना के पी एम श्री छत्रसाल स्नाकोत्तर महाविद्यालय में किया गया। इस अवसर पर लोकमाता के त्याग, सेवा, सुशासन और लोककल्याण के अद्वितीय आदर्शों को मंच पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और वक्तव्यों के माध्यम से सजीव रूप में प्रस्तुत किया गया। नगर मंडल अध्यक्ष कैलाश गुप्ता ने बताया कि जिला संयोजकश्री सुशील त्रिपाठी के दिशा निर्देशन में उक्त कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियो द्वारा दीप प्रज्वलन और लोकमाता अहिल्या बाई की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर किया गया। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व मंत्री एवं वर्तमान विधायक श्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य श्री सदानंद गौतम जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मीना राजे कॉलेज समिति के अध्यक्ष श्री राजेश गौतम ने लोकमाता के जीवन चरित्र, उनके प्रशासनिक निर्णयों और समाजहित में किए गए कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

जिला संयोजक श्री सुशील त्रिपाठी ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी जिला पन्ना द्वारा लोकमाता देवी अहिल्याबाई की 300 वी जयंती के अवसर पर जिले भर में विविध प्रकार के आयोजन सम्पन्न किये जा रहे है।

इस हेतु आयोजित कार्यक्रम में मंच पर प्रस्तुत नाट्य, और प्रसंगों के माध्यम से लोकमाता के व्यक्तित्व और कर्तृत्व की अद्भुत गाथा को दर्शाया गया, जिसमें उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर विधायक श्री सिंह ने सम्बोधित

करते हुए कहा कि भाजपा प्रदेश संगठन द्वारा लोकमाता देवी अहिल्याबाई की 300 वी जयंती के अवसर पर 21 अप्रैल से जिले भर में विविध प्रकार के आयोजन सम्पन्न किये जा रहे है इसी के चलते यह आयोजन किया गया आगे उन्होंने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई ने अपने शासनकाल के दौरान निमाड सहित देश मे किस प्रकार का शासन किया था एवं मुगलों द्वारा तोड़े गए सभी ज्योतिर्लिंगों का निर्माण करवा कर सनातन धर्म की रक्षा का बीड़ा उठाया था तथा लोकमाता देवी अहिल्याबाई एक अनुशासन व न्यायप्रिय तथा महिला सशक्तिकरण का जीता जागता उदाहरण है, जिन्होंने देश हित मे अनेक कार्य किये। आमजन लोकमाता देवी अहिल्याबाई के बारे में जाने व समझे इसी उद्देश्य को लेकर यह आयोजन किया गया तथा इस प्रकार के कार्यक्रम आगे भी सतत जारी रहेंगे। कार्यक्रम को आगे बढ़ते हुए कार्यक्रम को आगे बढ़ते हुए पूर्व जिला अध्यक्ष श्री सदानंद गौतम ने कहा कि रानी अहिल्याबाई द्वारा स्थापित आदर्श उनके विचारों उनके जनहित इस अभियान के द्वारा जन-जन तक पहुंचना है श्री गौतम ने कहा की देवी अहिल्याबाई होलकर के सपनों को पूरा करने का काम प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी कर रहे हैं श्री गौतम ने कहा की देवी अहिल्याबाई ने जीवन पर साधना संघर्ष करें महिला समाज देश संस्कृति और धर्म की सशक्तिकरण के लिए काम किया है कार्यक्रम संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष श्री मीना राजे ने कहा महिलाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए देवी अहिल्याबाई ने महेश्वरी साड़ी उद्योग स्थापित किया इस साड़ी को प्रमोट करने के लिए वह विदेशी अतिथि को यह साड़ी उपहार में देती थी और स्वयं भी यही पहनती थी। अंत में कॉलेज समिति के अध्यक्ष श्री राजेश गौतम ने देवी अहिल्याबाई की जीवन पर प्रकाश डालते हुए का कि उनका जीवन त्यागपूर्ण था उन्होंने अपने राज्य को भगवान शिव का राज्य मानकर धर्म निष्ट शासन स्थापित किया ,उन्होंने जनजाति समाज के लिए उत्थान के लिए अनेक कदम उठाएं। कार्यक्रम में मुख्य रूप मीना पांडे से कमल लालवानी आशीष तिवारी शशि राजे परमार उषा सोनी कविता रैकवार पूनम यादव, नरेंद्र यादव, दीपेश व्यास सोनू राजा अमन सेन पूनम बंजारा वैशाली लखेरा विनिता पांडे, अंकित शर्मा सौरभ मिश्रा हिमांशु विश्वकर्मा, अंकित शर्मा, धर्मेंद्र नामदेव कैलाश कुशवाहा आशा जाड़िया नेहा गुप्ता अनामिका विश्वकर्मा अमित परमार मुकेश साहू राकेश गुप्ता निजाम खान महेंद्र यादव शक्ति शर्मा और अर्जुन यादव मुख्य रूप से उपस्थित थे।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर

सीधी, गुरुवार 29 मई 2025

शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा के समाज कार्य विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला स्वास्थ्य दिवस के विशेष अवसर पर स्वस्थ नारी, सशक्त समाज विषय पर एक विचारोत्तेजक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर पर नियंत्रण के प्रभावी उपाय करें

गर्भवती महिला के समय पर पंजीयन न करने वालों पर कार्यवाही करें : कलेक्टर

रीवा। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने स्वास्थ्य विभाग के योजनाओं की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर की स्थिति संतोषजनक नहीं है। इन पर नियंत्रण के लिए प्रभावी उपाय करें। जिला स्तर से लेकर ग्राम स्तर तक निर्धारित प्रोटोकाल का कठोरता से पालन कराते हुए गर्भवती महिलाओं की जाँच और फालोअप करें। गर्भवती महिलाओं के समय पर पंजीयन न करने वाले आशा कार्यकर्ता पर कड़ी कार्यवाही करें। सभी बीएमओ टीकाकरण केन्द्र एवं प्रसव केन्द्र में व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। विभागीय पोर्टल में महिलाओं के पंजीयन, टीकाकरण तथा अन्य जानकारियाँ बीएमओ सात दिवस में दर्ज कराएं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी हर माह की 9 और 25 तारीख को लगाए जाने वाले शिविरों में अनुपस्थित

डॉक्टरों के विरुद्ध कार्यवाही करें। कलेक्टर ने बीएमओ गंगेव के विरुद्ध कार्यवाही करने तथा ग्राम धर्मपुरा की आशा कार्यकर्ता की सेवा समाप्त करने एवं एएनएम को निलंबित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि सभी बीएमओ गर्भवती महिलाओं के पंजीयन तथा नियमित जाँच की हर सप्ताह समीक्षा करके रिपोर्ट प्रस्तुत करें। टीकाकरण केन्द्र में आवश्यक उपकरणों के साथ एएनएम तथा सीएचओ अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। सीएचओ को सभी आठ सत्रों में उपस्थित रहने पर ही प्रोत्साहन राशि मंजूर करें। प्रत्येक मंगलवार तथा शुक्रवार को टीकाकरण करने के साथ-साथ गर्भवती महिलाओं की जाँच एवं अन्य विभागीय गतिविधियों पर भी ध्यान दें। क्षेत्र का भ्रमण न करने वाले कर्मचारियों पर भी कड़ी कार्यवाही करें। बीएमओ टीकाकरण, गर्भवती महिलाओं के पंजीयन और जाँच का उप स्वास्थ्य केन्द्रवार डाटा का विश्लेषण कर उसमें मिली कमियों को दूर करें। हाई रिस्क गर्भवती महिला की स्वास्थ्य की हर सप्ताह जानकारी लें। उसकी सभी प्रमुख जाँचें विकासखण्ड स्तर पर की जा सकती हैं। उसे रेफर करते समय जाँच और उपचार की पूरी रिपोर्ट आशा कार्यकर्ता के साथ भेजें। महिला के संबंध में जिला चिकित्सालय और मेडिकल कालेज को भी बीएमओ रेफर के समय ही सूचना दे दें जिससे महिला को तत्काल उपचार सुविधा मिल सके। पंजीकृत 71081 महिलाओं में से 16245 एनिमिक पाई गईं। इनमें से 1552 हाईरिस्क चिन्हित की गईं। हाई रिस्क महिलाओं में से केवल 476 को ही खून चढ़ाया गया। शेष महिलाओं का बीएमओ और जिला स्तर से फालोअप नहीं किया गया। इस स्थिति में सुधार करें।

कलेक्टर ने कहा कि सीएमएचओ वर्ष 2024-25 में अब तक हुई 52 गर्भवती और प्रसूता महिलाओं की मौत में प्रत्येक प्रकरण के कारण सहित रिपोर्ट दें, जिनमें मृत्यु के कारण का स्पष्ट उल्लेख करते हुए उत्तरदायी के विरुद्ध कार्यवाही प्रस्तावित करें। जिन स्थानों में गर्भवती महिलाओं की जाँच की जाती है वहाँ डिजिटल थर्मामीटर, डिजिटल ग्लूकोमीटर, पल्स ऑक्सीमीटर, बीपी इन्स्ट्रूमेंट तथा अन्य आवश्यक उपकरण तत्काल उपलब्ध कराएं। हर माह 9 और 25 तारीख को गर्भवती महिलाओं की निशुल्क जाँच की कारगर व्यवस्था करें। बीपीएम और बीपीओ के कार्यों की समीक्षा करके रिपोर्ट प्रस्तुत करें। इसी के आधार पर उनके अनुबंध का नवीनीकरण किया जाएगा। शिशुओं और गर्भवती महिलाओं का संपूर्ण टीकाकरण 92 प्रतिशत है, लेकिन तीन विकासखण्डों में प्रगति ठीक नहीं है।

अतिरिक्त दल तैनात कर शत-प्रतिशत टीकाकरण कराएं। बैठक में कलेक्टर ने पोषण पुनर्वास केन्द्र में कुपोषित बच्चों की भर्ती, एसएनसीयू के भर्ती बच्चों के फालोअप तथा चाइल्ड डेथ रिपोर्ट के संबंध में निर्देश दिए।

मऊगंज जिले में जिला सड़क सुरक्षा समिति गठित

रीवा। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं जिले की समुचित यातायात व्यवस्था एवं प्रबंधन के उद्देश्य से कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन की अध्यक्षता में मऊगंज जिले की जिला सड़क सुरक्षा समिति गठित की गई है। समिति में सदस्य के तौर पर पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी, सीएमएचओ डॉ. संजीव कुमार शुक्ला, कार्यपालन यंत्री नितिन पटेल क्षेत्रीय कार्यालय एमओआरटी एण्ड एच के प्रतिनिधि, आनंद प्रसाद परियोजना निदेशक एनएचएआई, महेश पटेल सीएमओ नगर परिषद मऊगंज, मनीष त्रिपाठी आरटीओ, सड़क सुधार के लिये कार्य करने वाले एक नागरिक को शामिल किया गया है। समिति के सदस्य सचिव व संभागीय प्रबंधक एमपीआरडीसी विनोद कुमार टांटवाय होंगे।

भारत संतों और ऋषियों की भूमि, संत और ऋषि करते हैं सही मार्गदर्शन: उप मुख्यमंत्री

ओरछा में श्रीमद्भागवत कथा में हुए शामिल

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि भारत संतों, ऋषियों और मनीषियों की भूमि है। संत और ऋषि हमें जीवन जीने का सही रास्ता दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि मुझे श्रीमद्जगतगुरु राजेन्द्र दास जी महाराज श्री धाम वृन्दावन के दर्शन प्राप्त हुए हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल निवाड़ी जिले के प्रवास के दौरान कनक भवन मंदिर, भक्तमाली आश्रम ओरछा में श्रीमद्भागवत कथा में शामिल हुए। उन्होंने कथावाचक श्रीमद्जगतगुरु राजेन्द्र दास जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने उपस्थित जनों से गौसेवा और गौपूजन के महत्व पर विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि गौ पूजन भारतीय धर्म, संस्कृति और जीवनदृष्टि का मूल आधार है। यह केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि समस्त प्राणीमात्र के प्रति करुणा, सहअस्तित्व और प्रकृति-मैत्री के भाव का प्रतीक है। विधायक निवाड़ी श्री अनिल जैन सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संभागीय अधिकारियों ने जल गंगा संवर्धन अभियान में निभाई सहभागिता

रीवा। संभाग के सभी जिलों में 30 मार्च से जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान की मानीटरिंग के लिए कमिश्नर बीएस जामोद द्वारा संभागीय अधिकारियों के 6 दल तैनात किए गए हैं। अधिकारियों के दल ने रीवा जिले के सेमरिया विकासखण्ड में जल गंगा संवर्धन अभियान के क्रियान्वयन का जायजा लिया। इस संबंध में दल के सदस्य संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास श्रीमती ऊषा सिंह

सोलंकी ने बताया कि ग्राम बरा में जल संरक्षण और संवर्धन कार्यों का अवलोकन किया गया। गांव में खेत तालाब तथा स्टापडैम का निर्माण किया जा रहा है। ग्रामवासियों को जल संरक्षण के कार्यों के संबंध में जागरूक किया गया। ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव तथा ग्रामवासियों से जल गंगा संवर्धन अभियान के संबंध में जानकारी ली गई। इसके बाद आंगनवाड़ी केन्द्र का निरीक्षण किया गया। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से बच्चों के टीकाकरण, पोषण आहार के वितरण, वजन तथा माप के आधार पर बच्चों के पोषण स्तर के निर्धारण एवं टीएचआर वितरण की जानकारी दी गई। निरीक्षण के समय अधीक्षण यंत्री विद्युत मण्डल प्रभा पाण्डेय तथा अन्य सदस्य शामिल रहे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में 30 मई को विभिन्न बैठकों का आयोजन

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में 30 मई को विभिन्न बैठकों का आयोजन किया गया है। कलेक्ट्रेट में सुबह 11 बजे से शिक्षकों के स्वत्वों के भुगतान के संबंध में विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों की बैठक आहूत की गई है। इसी क्रम में दोपहर 12 बजे वर्षाकाल प्रारंभ होने से पूर्व जिले की सभी सड़कों की मरम्मत के संबंध में बैठक होगी जबकि शाम 4 बजे हिट एण्ड रन प्रकरणों की समीक्षा के उपरांत शाम 4.30 बजे आदिमजाति कल्याण विभाग से संबंधित अनुसूचित जाति एवं जनजाति के प्रकरणों में राहत राशि के आवंटन वितरण की समीक्षा की जायेगी।

मीडिएशन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन एवं विधिक साक्षरता शिविर संपन्न

रीवा। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री राकेश मोहन प्रधान के मार्गदर्शन एवं श्री सुधीर सिंह राठौड़ जिला न्यायाधीश के मुख्य आतिथ्य में ए.डी.आर भवन में मीडिएशन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री राठौड़ ने इस अवसर पर कहा कि मीडिएशन में आपसी समझौते के माध्यम से मामलों का निराकरण होता है जिससे त्वरित गति से मामलों के निराकरण से न्यायालय में लंबित मुकदमों की संख्या घटती है वही दूसरी और दोनों पक्षों में संबंधो में मीठास उत्पन्न होती है और समाज में

समरसता का वातावरण बनता है। जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री अभय कुमार मिश्रा ने मीडिएशन एवं लोक अदालत के विषय मे जानकारी देते हुये बताया कि मीडिएशन एवं लोक अदालत दोनों ही विवाद के निपटारों का वैकल्पिक समाधान है और इनमें कोई व्यय नही होता और विवाद का निपटारा आपसी समझौते से जल्दी हो जाता है। प्रशिक्षित अधिवक्ता मध्यस्थ श्री राकेश मिश्रा, शिवकुमार तिवारी, अजीत सिंह, संजय निगम, दुर्गश निगम, रेवाशंकर अवस्थी, उमेश सिंह, ने भी अपने विचार व्यक्त किये। विधि छात्रा मुस्कान सिंह राठौड़ ने प्राचीनकाल में मीडिएशन के उदाहरण प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का संचालन सुश्री राजश्री सिंह एवं आभार पुरुषोत्तम पाठक ने किया। इस अवसर पर लीगल एड डिफेन्स कोन्सिल के सुरेन्द्र सिंह, आनंद पाण्डेय, मंजूर अहमद अंसारी, श्रीमती आरती तिवारी, अनीश पाण्डेय एवं अधिवक्ता उमेश बहादुर सिंह, रामकृष्ण गौतम, दीपक गुप्ता, पैरालीगल वालेंटियर्स उमा सीधिया, प्राची सिंह, साबिर असलम, सुमित सिंह, विधि छात्र राहुल सोनी उपस्थित रहे।

जल संरक्षण से ही दूर होगी पानी की समस्या : विधायक मनगवां

रीवा। जिले भर में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण के कार्य किए जा रहे हैं। इसके साथ-साथ जल गंगा रैली, जल संगोष्ठी और जल चौपाल के माध्यम से लोगों को जल संरक्षण के लिए जागरूक किया जा रहा है। इस क्रम में गत दिवस गंगेव विकासखण्ड के ग्राम कदैला में जल गंगा रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ करते हुए विधायक मनगवां श्री नरेन्द्र प्रजापति ने कहा कि जल

संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जल संरक्षण से ही पानी की समस्या दूर होगी। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में जल संरक्षण और संवर्धन के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इसके माध्यम से जल स्रोतों की साफ-सफाई और सुधार के साथ-साथ नई जल संरचनाओं का निर्माण भी किया जा रहा है। हर व्यक्ति अपने गांव के जल स्रोत को साफ-सुथरा और पानी से भरा-पूरा बनाने के लिए श्रमदान करें। इसके साथ-साथ वर्षाकाल में कम से कम एक पौधा रोपित करके उसकी उचित देखभाल करें। वृक्षारोपण से भी जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

कदैला ग्राम में जल गंगा रैली तेढ़ा तालाब तक निकाली गई। इसके बाद रैली में शामिल जनप्रतिनिधियों तथा आमजनों ने तालाब की साफ-सफाई में श्रमदान किया। रैली में जनपद अध्यक्ष गंगेव श्री विकास तिवारी, एसडीएम मनगवां पीएस त्रिपाठी, तहसीलदार सुमित गुप्ता, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत प्राची चौबे, नायब तहसीलदार राजीव शुक्ला, जनपद सदस्य गणेश सिंह, जनपद सदस्य प्रेमवती, सरपंच मुकेश पटेल, जन अभियान परिषद की विकासखण्ड समन्वयक अनीता मिश्रा, डॉ विष्णुदेव कुशवाहा एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

टीआरएस कालेज में अंतरराष्ट्रीय महिला स्वास्थ्य दिवस पर संवाद कार्यक्रम आयोजित

रीवा। शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा के समाज कार्य विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला स्वास्थ्य दिवस के विशेष अवसर पर स्वस्थ नारी, सशक्त समाज विषय पर एक विचारोत्तेजक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अर्पिता अवस्थी के कुशल निर्देशन में, समाज कार्य विभागाध्यक्ष डॉ. अखिलेश शुक्ल के संयोजन तथा आई.क्यू.ए.सी. एवं चेतना फ्लैगशिप योजना के संयुक्त तत्वाधान में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। प्राचार्य डॉ. अर्पिता अवस्थी ने अपने उद्घाटन उद्बोधन में कहा कि, किसी भी राष्ट्र की प्रगति का आधार उसकी महिलाएँ होती हैं, और यदि वे स्वस्थ होंगी तो पूरा समाज, पूरा देश सशक्त बनेगा। महिला स्वास्थ्य पर संवाद, जागरूकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ. रचना श्रीवास्तव, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग, शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रीवा रही। अपने सारगर्भित वक्तव्य में उन्होंने महिला स्वास्थ्य से जुड़े सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

आने वाली पीढ़ी के लिए हमें जल संरक्षण करना अनिवार्य है : कमिश्नर

रीवा। प्रदेश सरकार द्वारा विगत 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने अभियान के तहत सिंगरौली जिले के गड़ेरिया पंचायत पहुचकर कंचन नदी के पुनर्जीवन कार्य में श्रमदान किया। कमिश्नर तथा अन्य अधिकारियों ने नदी में गेबियन संरचना के पास साफ-सफाई की। इस अवसर कमिश्नर ने कहा कि वर्तमान जल संकट के लिए मानव ही जिम्मेदार है। हमने पानी का अंधाधुंध उपयोग किया और वनों का विनाश किया। जिसके कारण धरती के जल भण्डार खाली हो रहे हैं। जल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है। इस समस्या के समाधान के लिए अब हम सबकी जिम्मेदारी है कि आज से ही कल के लिए जल संरक्षण करें। हमने समय रहते जल संरक्षण के लिए प्रयास नहीं किया तो भावी पीढ़ी का जीवन संकट में होगा। उन्होंने कहा कि हमें प्रयास करना होगा कि खेत का पानी खेत में गांव का पानी गांव मे रहे जिससे स्वच्छ पेयजल की समस्या का समाधान हो सके। कमिश्नर ने कहा कि हमें अपनी विचारधारा को सुधारते हुये संकल्प लेना होगा कि हम पानी की हर एक बूंद को संरक्षित रख सकें। जल संरक्षण के लिए अपने जीवन शैली में उचित जल प्रबंधन को आत्मसात करना होगा। जल गंगा संवर्धन अभियान मे चल रहे कार्यों में हर व्यक्ति अपना योगदान दे।

मऊगंज में जिला खनिज मद संबंधी बैठक 3 जून को

रीवा। मऊगंज के कलेक्ट्रेट सभागार में 3 जून को सुबह 10.45 बजे से जिला खनिज मद न्यास समिति की बैठक आयोजित की जा रही है। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर मऊगंज संजय जैन करेंगे। इस संबंध में समिति के तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर ने बताया कि बैठक में खनिज प्रतिष्ठान मद से प्रस्तावित कार्यों तथा वार्षिक कार्ययोजना पर विचार किया जाएगा। समिति के सभी सदस्यों और संबंधित अधिकारियों से बैठक में उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया है।

रानी अहिल्याबाई की न्यायप्रियता और लोकसेवा की भावना प्रेरणा का स्रोत है : राज्यमंत्री

हनुमना में स्वसहायता समूह सम्मेलन में मनाई गई अहिल्याबाई की जयंती

रीवा

रानी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती के कार्यक्रम प्रदेश भर में आयोजित किए जा रहे हैं। इस क्रम में मऊगंज जिले के हनुमना में जनपद पंचायत परिसर में आयोजित महिला स्वसहायता समूह सम्मेलन में रानी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती मनाई गई। समारोह की मुख्य अतिथि नगरीय विकास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने कहा कि रानी अहिल्याबाई की न्यायप्रियता और लोकसेवा की भावना हम सबके लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनकी अद्वितीय प्रशासनिक क्षमता ने जनकल्याण के नए प्रतिमान गढ़े। रानी अहिल्याबाई भगवान शिव की परमभक्त होने के साथ-

साथ कुशल शासिका और रणनीतिकार के रूप में अपनी छाप छोड़ी। उनके 30 वर्ष के शासनकाल में एक भी युद्ध नहीं हुआ और पूरा शासनकाल सुशासन और जनकल्याण के प्रतीक के रूप में याद किया जाता है। रानी अहिल्याबाई ने देश भर के प्रमुख धार्मिक स्थानों में तीर्थयात्रियों के लिए धर्मशालाओं का निर्माण और बनारस के बाबा काशी विश्वनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण कराया। उन्होंने 250 से अधिक मंदिरों का निर्माण कराया। वह स्वयं दरबार में बैठकर प्रजा की समस्याएं सुनकर तत्काल न्याय करती थीं। उनका जीवन महिला सशक्तीकरण और सुशासन का अनुपम उदाहरण है।

सम्मेलन में राज्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने महिलाओं के कल्याण और सशक्तीकरण के अनेक प्रयास किए हैं। हनुमना में 1200 से अधिक महिला स्वसहायता समूह विभिन्न आर्थिक गतिविधियों से स्वावलंबी बने हैं। इनसे जुड़ी महिलाओं का जीवन बेहतर हो रहा है। सरकार महिला स्वसहायता समूहों को मध्यान्ह भोजन निर्माण, गेंहू और धान के उपार्जन, उचित मूल्य दुकानों का संचालन सहित अनेक आर्थिक विकास के अवसर दे रही है। महिला सशक्तिकरण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सम्मेलन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत ने महिला स्वसहायता समूहों की गतिविधियों की जानकारी दी। सम्मेलन में वरिष्ठ समाजसेवी डॉ राजेन्द्र मिश्रा, सुश्री सरिता सिंह, सुनील शुक्ला, एसडीएम हनुमना श्रीमती रश्मि चतुर्वेदी तथा बड़ी संख्या में महिलाएं एवं आमजन उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विधि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी, आर.एन.आई नं. 47589/88, डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833